दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

n वर्ष : 10 अंक : 110 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, मंगलवार 13 मई, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

अक्षय ऊर्जा से संबंधित एमओयू के निवेशकों के साथ बैठक

राइजिंग राजस्थान' के निवेश समझौतों को समयबद्ध पूर्ण कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से राजस्थान की देश-दुनिया में निवेश के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में पहचान बनी है। समिट में हुए निवेश समझौतों के धरातल पर उतरने से राज्य की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे निजी क्षेत्र में 6 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर सृजित करने के संकल्प को भी बल मिलेगा। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान समिट के तहत अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राइजिंग राजस्थान के तहत हुए निवेश समझौतों को समयबद्ध धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। परियोजनाएं स्थापित करने में निवेशकों को सरकार का पूर्ण सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि वे अपने प्रोजेक्ट्स स्थापित करने की संपूर्ण प्रक्रिया के लिए चरणबद्ध रूप से समय का निर्धारण करें और उन्हें तय अवधि में पूरा करें। उन्होंने कहा कि निवेशक अपने प्रोजेक्ट की प्रगति से समय-समय पर राज्य सरकार को अवगत कराएं। शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि निवेशकों और राज्य सरकार के सामंजस्य से परियोजनाएं समय पर मूर्त रूप लेंगी।

निवेशकों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

इस अवसर पर निवेशकों ने अपने एमओयू पर कार्यों की प्रगति को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा अनुरूप सभी परियोजनाओं को समयबद्ध और पारदर्शिता से धरातल पर उतारेंगे। निवेशकों ने अपने विभिन्न विषयों के समाधान पर मुख्यमंत्री की पहल पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में वर्तमान सरकार के समय निवेश के लिए बेहतरीन माहौल बना है।

प्रत्येक परियोजना के लिए नियुक्त होंगे नोडल अधिकारी

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि सरकार और निवेशकों के बीच समन्वय के लिए प्रत्येक परियोजना के अनुसार एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। वे तय समय में परियोजना का पूर्ण होना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार प्रत्येक माह सभी प्रस्तावों के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा कर रही हैं। जिला कलेक्टर से लेकर मुख्य सचिव स्तर तक मॉनिटरिंग कर कार्यों को गति दी जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पवन, हाइब्रिड, बैट्री स्टोरेज और पम्प स्टोरेज परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन व कनेक्टिविटी के कार्यों को गति प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनाने के उद्देश्य की पूर्ति में नवीनीकरणीय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार आगामी वर्षों में राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 30 गीगावाट से बढ़ाकर 125 गीगावाट करने के लिए प्रयासरत है। सरकार सौर व पवन ऊर्जा आधारित परियोजनाओं के साथ पंप स्टोरेज तथा बैटरी स्टोरेज जैसे नवाचारों पर भी जोर दे रही है।

अक्षय ऊर्जा से सम्बंधित एमओयू का क्रियान्वयन जारी

बैठक में बताया गया कि राइजिंग राजस्थान समिट के तहत 66.40 गीगावाट क्षमता की पवन और हाइब्रिड परियोजनाओं की स्थापना के लिए लगभग 4.23 लाख करोड़ रूपये के निवेश के 31 एमओयू हुए हैं। इनमें से 2 लाख करोड़ रूपये के निवेश के लिए 26 हजार 970 मेगावाट के 14 एमओयू की परियोजनाओं का पंजीकरण हो चुका है और 12 एमओयू के तहत कार्य की शुरूआत हो चुकी है। समिट के तहत बैट्री स्टोरेज परियोजनाओं के लिए 53 हजार 900 करोड़ रूपए के कुल 18 एमओयू हुए। इनमें बैट्री स्टोरेज मैन्यूफेक्चर्स के लिए 6 हजार 250 करोड़ रूपए के 5 और बैट्री स्टोरेज के लिए विकासकर्ताओं के साथ 47 हजार 650 करोड़ रूपए के 13 एमओयू हुए हैं।पम्प भंडारण परियोजनाओं के लिए 1.52 लाख करोड़ रूपए के निवेश के साथ 20.5 गीगावाट के लिए 13 एमओयू हुए हैं। इनमें सीपीएसयू की ओर से 73 हजार 800 करोड़ रूपए के निवेश के लिए 6 हजार 940 मेगावाट की क्षमता के 4 एमओयू, निजी विकासकर्ता की ओर से 78 हजार 67 करोड़ रूपए के निवेश के लिए 13 हजार 600 मेगावाट की क्षमता के 9 एमओयू हुए हैं। इस अवसर पर मुख्य सचिव, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव सहित पवन, हाइब्रिड, पम्प स्टोरेज एवं बैट्री स्टोरेज परियोजनाओं से संबंधित निवेशक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने की जनसुनवाई

जनता की समस्याओं का समाधान हमारी प्रमुख प्राथमिकता: भजनलाल शर्मा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुशासन के उच्चतम मानकों के अनुरूप अधिकारी.कर्मचारी आमजन की परिवेदनाओं पर कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि आमजन की संतुष्टि ही हमारा प्रमुख ध्येय है। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने आमजन से व्यक्तिशः जनसंवाद करते हुए उनकी प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को इनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ना केवल समस्याओं का समाधान करना है, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए गुड गवर्नेंस का बेहतरीन मॉडल स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण को सूचीबद्ध करने के साथ ही उनका फॉलोअप सुनिश्चित करने और परिवादियों को सूचित करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जो कार्मिक आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण में लापरवाही बरते, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, कार्मिक अगर सेवानिवृत्त हो गया है, तो उस स्थिति में उनकी पेंशन भी रोकी जाए। शर्मा ने सामाजिक न्याय व अधिकारिताए ग्रामीण विकास व पंचायतीराज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। इस अवसर पर आमजन और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 2800 सेफ-डिलीवरी कराने वाली दाई मां को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

रूपनगढ़/अजमेर(निसं.)।। अपने जीवन के 60 वर्षों में 2800 से अधिक बच्चों का सुरक्षित प्रसव कराकर निस्वार्थ सेवा और मातृत्व का उदाहरण प्रस्तुत करने वाली 85 साल की सुवा दाई मां को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कोटड़ी गांव पहुंचकर सम्मानित किया। मातृ दिवस पर डिप्टी सीएम ने कहा- ऐसे नायक का हौसला बढ़ाना जरूरी है। महज 24 साल की आयु में इस सेवा यात्रा की शुरुआत करने वाली सुवा दाई मां ने उस समय अपनी भूमिका निभाई, जब गांवों में बिजली, चिकित्सा और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। आज भी वे कोटड़ी, झाखोलाई, भेरवई और करडाला गांवों की महिलाओं को प्रसव सहायता, गर्भावस्था परामर्श और पोषण व स्वच्छता से जुड़ी सलाह देती हैं। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा- सुवा दाई मां त्याग, समर्पण और मातृत्व की प्रतिमा हैं। उन्होंने उस समय मां और नवजात के लिए सुरक्षा और ममता का कवच प्रदान किया जब आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं केवल सपने जैसी थीं। उस समय उनकी सेवा भावना किसी से कम नहीं आंकी जा सकती। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे नायकों को मंच पर लाना हमारा कर्तव्य है, जो चमक-धमक से दूर रहकर समाज को जीवन देने का कार्य करते हैं। सुवा दाई मां की कहानी यह बताती है कि हर महिला में शक्ति है बस उसे पहचान और सम्मान की आवश्यकता है। इस मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों ने सुवा दाई मां के सम्मान में अपनी उपस्थिति से आयोजन को गरिमा प्रदान की। उपमुख्यमंत्री ने सुवा दाई माँ, उनके हाथों जन्मी पहली बच्ची जो अब 61 वर्ष की हैं, उनसे भी मुलाकात की। मातृदिवस के इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने पैर छूकर सुवा दाई माँ से आशीर्वाद लिया और शॉल ओढ़कर उनका स्वागत भी किया।

मरूधरा में पाक की नापाक हरकत

जैसलमेर में मिला बम, सेना ने किया डिस्पोज

जयपुर टाइम्स

जैसलमेर(निसं.)।। जैसलमेर में सोमवार दोपहर एक बम मिला। इसके बाद फौरन इसकी सूचना सेना को दी गई। सूचना पर सेना के जवानों ने मौके पर पहुंचकर उसे डिस्पोज कर दिया। जानकारी के अनुसार, जैसलमेर शहर से करीब 10 किमी दूर सुनसान इलाके में बम जैसी एक चीज मिली। ग्रामीणों ने इस घटना की जानकारी पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने भारतीय सेना को सूचना देकर मौके पर बुला लिया। फिर सेना के बम निरोधक दस्ते ने इसको कब्जे में लिया और डिस्पोज कर दिया। फिलहाल जैसलमेर शहर और आसपास के बॉर्डर इलाके में शांति का माहौल है। आमजन भारतीय सेना में अपना विश्वास जताते नजर आ रहे हैं। इससे बाजारों में चहल-पहल भी बढ़ी है और ट्रेन सेवाएं शुरू की गई हैं। हालांकि अगले आदेश तक स्कूल बंद रखे गए हैं। भारत- पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद हालात सामान्य होने लगे हैं। हालांकि रविवार रात सात बजकर 30 मिनट से ब्लैकआउट की घोषणा की गई, जो सोमवार सुबह छह बजे तक जारी रही।

प्रधानमंत्री का पाक और आतंकवादियों को सख्त संदेश

पानी और खून एक साथ नहीं बह सकता: मोदी

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)।। सीजफायर के 51 घंटे बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार रात 8 बजे राष्ट्र को संबोधित किया और पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में चेताया कि भारत की कार्रवाई सिर्फ स्थगित हुई है, समाप्त नहीं। अगर पाकिस्तान ने फिर से हिमाकत की, तो उसे मुंहतोड़ जवाब मिलेगा।

22 मिनट के भाषण में पीएम मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले ऑपरेशन,सिंदूर,सीजफायर, आतंकवाद, सिंधु जल समझौते और पाक अधिकृत कश्मीर जैसे मुद्दों पर विस्तार से बात की।

पहलगाम हमला - आतंक की वीभत्सता

प्रधानमंत्री ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले को "दुनिया को झकझोर देने वाला" करार दिया, जहां छुट्टियां मना रहे मासूमों को उनके परिवारों के सामने मौत के घाट उतारा गया। इसे उन्होंने देश की सांप्रदायिक सद्भावना को तोड़ने की नापाक साजिश बताया। प्रधानमंत्री ने बताया कि 6 मई की रात से शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर, भारत की प्रतिज्ञा का परिणाम था। इस अभियान में भारत ने पाकिस्तान में मौजूद आतंक के ठिकानों, ट्रेनिंग सेंटरों पर सटीक मिसाइल और ड्रोन हमले किए। भारत की इस कार्रवाई में 100 से ज्यादा खूंखार आतंकवादी मारे गए।

सीजफायर - केवल स्थगन, समाप्ति नहीं

पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान की गुहार पर भारत ने संघर्षविराम की सहमति दी, लेकिन कार्रवाई को स्थगित किया है, समाप्त नहीं। उन्होंने दोहराया कि भारत पाकिस्तान के भविष्य के कदमों को बारीकी से मापेगा और जरूरी हुआ तो फिर से जवाबी कार्रवाई करेगा।

पाकिस्तान है 'ग्लोबल टेररिज्म की यूनिवर्सिटी

प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के बहावलपुर और मुरीदके जैसे ठिकानों को ग्लोबल टेररिज्म की यूनिवर्सिटीज़ कहा कि जिनका संबंध 9/11 और लंदन बम धमाकों जैसे हमलों से भी रहा है। भारत ने इन आतंकी ठिकानों को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर दिया।

सिंधु जल और पीओके पर भारत का रुख

पीएम मोदी ने दो टूक कहा कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकता। उन्होंने बताया कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड साथ नहीं चल सकते। भारत की पाकिस्तान से बातचीत सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर ही होगी।

बुद्ध पूर्णिमा और भारत की शक्ति

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति का मार्ग शक्ति से होकर गुजरता है। भारत की हालिया सैन्य कार्रवाई यही दर्शाती है कि शांति और समृद्धि के लिए भारत को शक्तिशाली होना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी का भाषण पाकिस्तान और वैश्विक समुदाय के लिए एक कड़ा संदेश था।भारत अब सिर्फ बात नहीं करेगा, जवाब देगा। ऑपरेशन सिंदूर भारत की बदली हुई सैन्य नीति का प्रतीक बन गया है, जहां आतंक का जवाब निर्णायक और तकनीकी रूप से सक्षम तरीके से दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक के खिलाफ तीन लकीरें खींच दी हैं

1. हमले का जवाब उसी की भाषा में दिया जाएगा।
2. न्यूक्लियर ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं होगा।
3. आतंक के सरपरस्त और आकाओं को एक ही नजर से देखा जाएगा।

इस ऑपरेशन ने न्यू-एज वारफेयर में भारत की मेड इन इंडिया हथियार प्रणाली की ताकत भी दुनिया के सामने रखी।

पाकिस्तान की बौखलाहट

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान घबरा गया और सीमा पार से हमारे गुरुद्वारों, स्कूलों और सैन्य ठिकानों पर हमले किए। पर भारत ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम से पाकिस्तानी मिसाइलों और ड्रोन को आसमान में ही नष्ट कर दिया। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान को पहले तीन दिन में ही ऐसा तबाह कर दिया गया जिसकी उसे कल्पना नहीं थी।

'स्कूल में वाटर कूलर लगाकर स्व. हाडा को सच्ची श्रद्धाजंलि अर्पित की है'

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। । श्री सोमवंशी क्षत्रिय महासभा के पूर्व अध्यक्ष स्व. ओमप्रकाश हाडा की स्मृति में कंपनी बाग के सामने स्थिति बाल विहार उच्च माध्यमिक विद्यालय में आमजन के लिए एक वाटर कूलर लगवाया गया। श्री हैहय शिक्षा समिति के अध्यक्ष मदन सिंह हाडा ने बताया कि वाटर कूलर का उद्घाटन श्री सोमवंशी महासभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश सोमवंशी ने किया। इस मौके पर समाज के प्रबुद्धजनों ने कहा कि वाटर कूलर लगाकर जनसेवा का एक बड़ा कदम है। शीतल जल किसी को मिले यह सबसे बड़ा पुण्य है। जनहित व समाजहित में यह कार्य एक सराहनीय है। स्कूल में बच्चों को गर्मी में शीतल जल के लिए वाटर कूलर लगाना स्व. ओम प्रकाश हाडा को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करना है। उद्घाटन कार्यक्रम में समाज के प्रमुख सम्मानित सदस्य प्रदीप आर्य, ललित धानावत, हरिओम सिंह, चन्दन हाडा चेतन हाडा, विनोद अत्रीवाल, सुनील गोपालिया, राजेश आदि सदस्य उपस्थित रहे तत्पश्चात ठण्डाई का वितरण आमजन को किया गया।

शादी के एक दिन पहले तक इंतजाम नहीं, नेक कमाई ने दिया सामान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। । नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से एक ऐसी बेटी का कन्यादान किया गया जिसकी शादी में 24 घंटे बचे थे लेकिन उनके पास इंतजाम नहीं था। इसकी सूचना मिलने पर नेक कमाई के संरक्षक दौलत राम हजरती ने आनन-फानन में बेटी के कन्यादान में दिए जाने वाले सामान का इंतजाम किया। मुख्य कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि इस बार यह 264 वां कन्यादान था जिसमें सूचना मिलने पर घर का सर्वे किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी सुरेश हुंडी वाले थे जबकि अध्यक्षता कॉमर्स महाविद्यालय के प्राचार्य डा. सत्यभान यादव ने की। कार्यक्रम में पुरुषार्थी धर्मशाला समिति के अध्यक्ष प्रेम गांधी ने कहा कि नेक कमाई की इस कन्यादान वाली मुहिम में हम साथ है जिसमें जरूरतमंद बेटी को निशुल्क धर्मशाला विवाह के लिए दी जाती है। इसी प्रकार बेटी की और भी सहायता की जाती है। इस अवसर पर मुरारी मेहंदीरता भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में संरक्षक दौलत राम हजरती ने आभार जताया। इस अवसर पर बेटी के चरण धोकर उससे आशीर्वाद लिया गया। इसमें डॉ. गोपाल राय चौधरी ट्रस्ट और खानचंद चिमनी बाई हजरती ट्रस्ट का सहयोग रहा। कार्यक्रम में उमा छाबड़ा, प्रवीन बत्रा, सोनिका अरोड़ा, सौरभ कालरा आदि उपस्थित थे।

बुधपूर्णिमा पर वाटर कूलर का किया उद्घाटन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। । रोटरी क्लब अलवर द्वारा ष्टरस्ट प्रोजेक्ट के तहत आर के इंफ्रा के राकेश जैन अगोनीज एवं अशोक जैन अगोनीज के सौजन्य से 11 वाटर कूलर के लगाने के क्रम में पाचवें वाटर कूलर का बुधपूर्णिमा के दिन बिजलीघर चौराहा पर JVVNL कार्यालय अलवर में उद्घाटन किया गया। इन वाटर कूलर के समस्त रख रखाव की जिम्मेदारी JVVNL कार्यालय की रहेगी। उद्घाटन कार्यक्रम में रोटरी क्लब अलवर अध्यक्ष दीपक कट्टा, रोटेरियन सचिव मुकुंद गुप्ता, कोषाध्यक्ष वी डी अग्रवाल, प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर अशोक कुमार, दीपकमल अरोड़ा, हर्ष गुप्ता एवं अधिशासी अभियंता महेश देशवाल, सहायक अभियंता (अ-तृतीय) सुनिल गिठाला, राजेश जादौन, विकास शर्मा, बाबूलाल एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस प्रोजेक्ट के चेयरमैन रोटरी क्लब अलवर के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन नीरज जैन हैं।

मेहरादासी सब सेंटर होगा पीएचसी में क्रमोनत

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। गांव मेहराहासी में शहीद सुरेन्द्र मोगा के अंतिम संस्कार में शामिल होने आए जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत को ज्ञापन देखकर 70 साल पुराने सब सेंटर को पीएचसी में क्रमोनत करने की मांग ग्रामीणों ने की। पूर्व सरपंच सज्जन पूनिया ने पूर्व सांसद नरेन्द्र कुमार के माध्यम से गांव में सब सेंटर को क्रमोनत करने के लिए प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत से बात कर ज्ञापन सौंपा। प्रभारी मंत्री ने तुरन्त फोन के माध्यम से जयपुर बात की व झुंझुनू डिप्टी सीएमएचो डॉ. भवरलाल को बुलाकर सब सेंटर की स्थिति के बारे में पूछताछ की। मंत्री ने मौके पर ही सब सेंटर को पीएचसी में क्रमोनत करने की घोषणा की। ज्ञापन में सज्जन पूनिया ने सब सेंटर क्रमोनत होने के बाद पीएचसी का नाम शहीद सुरेन्द्र मोगा राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मेहरादासी करने का अनुरोध किया। मंत्री की इस घोषणा से शहीद को सम्मान मिलेगा व आस-पास के गांवो को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं मिलेगी।

विधिक जागरूकता शिविर लगाकर दी स्कूल के नन्हे बच्चों को साईबर अपराध, अपराध के प्रकार व उसके उदाहरण, साईबर अपराध के प्रभाव एवं उससे बचने के उपायों' की जानकारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर एवं सोफिया पब्लिक स्कूल, अलवर के संयुक्त तत्वावधान में सोफिया पब्लिक स्कूल, अलवर में 'साईबर अपराध, अपराध के प्रकार व उसके उदाहरण, साईबर अपराध के प्रभाव एवं उससे बचने के उपायों' के बारे में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के एक्शन प्लान के मुताबिक एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) अलवर अनन्त भण्डारी के निर्देशानुसार किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव/अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीयश मोहनलाल सोनी अलवर उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त भगवान शर्मा, निदेशक सोफिया पब्लिक स्कूल अलवर, मनोज यादव, डिप्टी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल अलवर, रेणु मिश्रा, रिटायर्ड प्रिंसीपल एवं सदस्य, विधिक चेतना समिति अलवर, ओमप्रकाश शर्मा प्रिंसीपल अग्रवाल सी. सै. स्कूल अलवर, उमेश खत्री, साइबर टीम अलवर आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती मां के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात् नालसा थीम सॉन्ग ''एक मुट्ठी आसमान'' उपस्थित बच्चों को सुनाया गया। तत्पश्चात् रेणु मिश्रा द्वारा उपस्थित समस्त बच्चों को सरस्वती वंदना का वंदन करवाया गया एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों के विषय में संक्षिप्त रूप से जानकारी दी गई। मनोज यादव द्वारा उपस्थित बच्चों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर द्वारा संचालित अनेक योजनाओं के विषय में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। इसी क्रम में साइबर एक्सपर्ट उमेश खत्री द्वारा बताया गया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ कोई साईबर अपराध होता है तो वह सर्वप्रथम उसकी सूचना राष्ट्रीय साईबर हेल्पलाइन नं.1930 पर कॉल करके अथवा ऑनलाईन साइबर पोर्टल पर जाकर रिपोर्ट दर्ज करवा सकते हैं, जहां से रिपोर्ट संबंधित पुलिस थाने में फोरवर्ड कर दी जाती है। अलवर जिले के नागरिकों के लिए साइबर कंट्रोल रूम स्थापित है, जिसका हेल्पलाइन नं. 8764874706 है। इसके बाद खत्री द्वारा भारत सरकार के टेलिकॉम डिपार्टमेंट द्वारा बनायी गई ''संचार साथी'' एप एवं उसकी सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके बाद अन्य जानकारी देकर साइबर अपराधों को रोकने के बारे में बताया। प्राधिकरण सचिव मोहन लाल सोनी द्वारा बताया गया कि बच्चे अपने शैक्षिक उद्देश्यों के लिए इंटरनेट और वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर व्यस्त होते हैं, जबकि बच्चे इसके नकारात्मक पक्ष से अनजान रहते हैं। साइबर अपराध कंप्यूटर, इंटरनेट और अन्य डिजिटल तकनीकों का उपयोग करके किए जाने वाले अपराध हैं। इसमें व्यक्तिगत डेटा की चोरी, ऑनलाइन धोखाधडी, हैकिंग, साइबर स्टॉकिंग, और डिजिटल अरेस्ट अपराध शामिल हैं। फिशिंग, हैकिंग, मैलवेयर, साइबर स्टॉकिंग, ऑनलाइन धोखाधडी आदि सभी साइबर अपराध के प्रकार हैं, जिनके माध्यम से अपराधी साईबर अपराध करते हैं। साइबर अपराध के कारण पीड़ित व्यक्ति को वित्तीय नुकसान, व्यक्तिगत जानकारी की चोरी, मानसिक तनाव और चिंता, व्यवसाय के महत्वपूर्ण डेटा की चोरी, आर्थिक अस्थिरता आदि प्रभाव पडते हैं। सोनी द्वारा बताया गया कि बच्चों को अत्यावष्यक होने पर ही मोबाइल फोन का उपयोग करना चाहिए, जिससे शिक्षा पर बुरा प्रभाव न पड़े। सोनी द्वारा बताया कि साइबर अपराध करने वाले अपराधी को आईटी एक्ट के तहत सजा का स त प्रावधान है। यदि किसी भी व्यक्ति के साथ साइबर अपराध होता है तो वह संबंधित साइबर थाने में, ऑनलाईन शिकायत पोर्टल पर शिकायत डालकर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में सहायता हेतु संपर्क कर सकता है। कार्यक्रम में विद्यालय का स्टॉफ एवं अधिक से अधिक संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

नेता प्रतिपक्ष जूली का आरोप भाजपा सरकार के केंद्रीय मंत्री और अलवर सांसद और राज्य मंत्री व शहर विधायक जनता की बात सुनने को तैयार ही नहीं है

जूली ने की मोती डूंगरी स्थित कार्यालय पर जनसुनवाई

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। । नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राज में पानी, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से आमजन पूरी तरह त्रस्त है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार के केंद्रीय मंत्री और अलवर सांसद और राज्य मंत्री और शहर विधायक जनता की बात सुनने को तैयार ही नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि अलवर शहर विधायक और राज्य मंत्री तो जनता से मिलते ही नहीं है और केंद्रीय मंत्री और अलवर सांसद को जब बहरोड के ऊंटोली गांव में आयोजित सांसद संपर्क संवाद कार्यक्रम में महिलाओं ने पानी की आपबीती सुनाई तो मंत्री का रवैया चर्चा का विषय बना रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि संवाद कार्यक्रम में जनता के साथ संवाद ही नहीं हो रहा बल्कि मंत्री कहते हैं ऐसे बात नहीं बनेगी आपको ज्यादा बात आती है तो मैं बात बंद कर देता हूं, इसी बीच स्थानीय विधायक ने मोर्चा संभाला लेकिन महिलाओं ने उनको भी पानी की समस्या से अवगत कराया तो वास्तविक हकीकत जाने बिना वह भी मंच छोड़कर चले गए। जूली बोले जनप्रतिनिधियों का आम जनता के प्रति ऐसा रवैया शायद ही पहली बार देखने को मिला है। जूली ने सोमवार को मोती डूंगरी स्थित कार्यालय पर जनसुनवाई की। जिसमें प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग अपनी परिवेदनाएं लेकर पहुंचे। जूली ने मौके से ही अधिकारियों को इन परिवेदनाओं के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भले ही प्रदेश में राज भाजपा का हो, लेकिन आज भी जनता कांग्रेस पार्टी के जनप्रतिनिधियों तक अपनी बात लेकर पहुंच रही है। उन्हें भाजपा के नेताओं पर विश्वास नहीं है। उन्होंने कहा कि न केवल ग्रामीण बल्कि शहर में भी बिजली की आंखमिचौली और पेयजल से लोग परेशान हैं। पानी के लिए जनता तरस रही है। रोज जाम लगाए जा रहे हैं। लेकिन भाजपा ने पानी की समस्या को गंभीरता से नहीं लिया वे केवल कोरी राजनीति कर रहे है। जूली बोले ईआरसीपी का ढिंढोरा पीटने वाली भारतीय जनता पार्टी के नुमाइंदे अब जनता को पानी उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं वहीं दूसरी तरफ लोगों को सुचारू बिजली नहीं मिल रही और बिजली के बिल ने लोगों की कमर तोड़ कर रख दी है।

जिला कलक्टर ने की अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड के कार्यों एवं प्रगति की समीक्षा

वित्तीय स्थिति की प्रत्येक माह की समीक्षा कर लाभांश अधिकतम करने के निर्देश दिए।

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। । जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में सोमवार को अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड के कार्यों एवं प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने डेयरी प्रबंधक को नवाचार के तौर पर राज्य की सफल डेयरी की अच्छी प्रैक्टिसेज का अध्ययन कर इस वर्ष हेतु लक्ष्य निर्धारण एवं कार्य योजना तैयार करने तथा इसकी धरातल पर क्रियान्वित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सरस डेयरी की वर्तमान संरचना की समीक्षा कर निर्देशित किया कि डेयरी कार्यक्षेत्र के सभी राजस्व गांवों में दुग्ध समिति स्थापित कर सभी को पंजीकृत करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने अक्रियाशील बीएमसी के कारणों का फीडबैक लेकर उन्हे क्रियाशील करवाने या शिफ्ट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने डेयरी के प्रोक्योरमेंट, प्लांट एवं मार्केटिंग व्यवस्था का फीडबैक लेकर आय के स्रोत बढ़ाने के लिए ज्यादा आय अर्जित करने वाले नवीन प्रोडक्ट निर्माण सहित दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में पहुंच विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वित्तीय स्थिति की प्रत्येक माह की समीक्षा कर लाभांश अधिकतम करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने सहकारिता, पशुपालन, बैंकिंग व कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को डेयरी से जुड़े प्रत्येक पशुपालक परिवार को गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना, सभी अनुसूचित जाति एवं जनजाति एवं बीपीएल पशुपालकों को निशुल्क केटल शेड निर्माण, डेयरी केसीसी, मंगला पशु बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं से पात्रतानुसार शत-प्रतिशत लाभान्वित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने डेयरी प्रबंधक को निर्देश दिए कि डेयरी से जुड़े पशुपालकों को संबंधित विभागों की योजनाएं का लाभ प्राप्त हो रहा है या नहीं, इसका सर्वे करवाकर पात्रों को लाभान्वित करवाना सुनिश्चित करें। बैठक में सरस डेयरी प्रबंधक सुनीता यादव, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पीसी मीणा, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. रमेश चंद्र मीणा, लीड बैंक प्रबंधक बाबूलाल पालरिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया मित्तल हॉस्पिटल अलवर ने अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। । अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस पर मित्तल हॉस्पिटल द्वारा अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर अनेक आयोजन हुए। जिसे सभी ने सराहा। डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेटर व संयोजक गिरीश गुप्ता ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस पर मित्तल हॉस्पिटल निदेशक डॉ. एस सी मित्तल ने स्टाफ को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के बाद अब देश के हालातो को देखते हुए नर्सिंग स्टाफ को और अधिक सजग होने तथा सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का सख्ती से पालन करना होगा ताकि मरीज के साथ-साथ स्वयं को भी सुरक्षित रखकर सेवा की जा सकी। मित्तल हॉस्पिटल की मैनेजिंग डायरेक्टर अलका मित्तल ने पूरे नर्सिंग स्टाफ को गुलाब का फूल देकर बधाई देते हुए प्राणायाम करने तथा योग को अपनी दिनचर्या का अनिवार्य अंग बनाने के लिए प्रेरित किया तथा कहा कि कठिन परिस्थितियों से डटकर मुकाबला करते हुए हर मरीज को बेहतरीन सेवा देने का भाव हर किसी में हो। मित्तल हॉस्पिटल के प्रशासक गिरीश गुप्ता के निर्देशन में संचालित इस कार्यक्रम में उन्होंने नर्सिंग स्टाफ की सेवाओं के महत्व व समर्पण को इंगित करते हुए समस्त नर्सिंग स्टाफ को बधाई व धन्यवाद् दी। नर्सिंग सुपरिन्टेन्डेन्ट लता सी. बोस ने भी सभी नर्सिंग कर्मचारियों को बधाई देते हुए ज्यादा से ज्यादा समर्पण की भावना से खास तौर पर बोर्डर से आये सैनिको की सेवा पर विशेष ध्यान देने को कहा। इस मौके पर डॉ. अभिषेक खण्डेलवाल, डॉ. रोताश कुमार, डॉ. अंशु कौशिक, नर्सिंग सुपरिन्टेन्डेन्ट लता सी. बोस, आई सी यू इन्चार्ज लीना, सलिन, बिंदु राजपूत, क्रालिटी इंचार्ज पूजा शर्मा, आई.सी.एन. रवि शर्मा, मुबारिक खान, वर्षा शर्मा, ओटी से बीना ओमप्रकाश, नीतू शर्मा, सामान्य वार्ड एवं प्राइवेट रूम इंचार्ज राजेंद्र शर्मा, कृष्णा पाठक, शिखा शर्मा, शबनम खान, मनीष चौधरी, जोगेन्द्र सिंह, आरिफ खान, अर्चना, सरिता शर्मा, रिया शर्मा, कंचन शर्मा उपस्थित रहे।

नर्सेज दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन, 50 यूनिट हुआ रक्तदान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। । अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस व देश की वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर, ब्लड बैंक में खून की कमी को देखते हुए नर्सेज परिवार द्वारा स्वेच्छिक्र रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे 50 यूनिट रक्तदान किया गया। राजपाल सिंह यादव प्राचार्य राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय तिजारा ने बताया कि नर्सेज जन्मदात्री फ्लोरेंस नाइटेंगल की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर रक्तदान शिविर की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में अथिति मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेंद्र शर्मा, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील चौहान, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ मोनिका जैन, नर्सिंग अधीक्षक राजेश गुप्ता, रमेश शर्मा, सरला शर्मा थे। संदीप अवस्थी प्रिंसिपल राजकीय नर्सिंग कॉलेज अलवर ने बताया कि मैंने खुद ने भी रक्तदान किया है तथा रक्तदान को महादान के लिए जाना जाता है इसलिए रक्तदान अवश्य करना चाहिए। प्रिंसीपल जी एन एम टी सी प्रेम प्रकाश मीना ने बताया कि नर्सिंग स्टूडेंट्स ने उत्साह पूर्वक भाग लिया तथा रक्तदान कर नर्सिंग स्टूडेंट्स ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान से डरे नही ओर खुद भी रक्तदान करे एंव अन्य को भी जागरूक करे। इस अवसर पर दिनेश चावला, विजय भारद्वाज, सतवीर यादव, रीना कँवर, नरेश गुप्ता, सरस्वती कांत शर्मा, मुकेश मीना, मनोज सिंह, शशिपाल यादव, रीटा रोज, नीरू जैन, सुशीला शर्मा, मुकेश बंजारा, योगेश गुप्ता, राजेन्द्र अरोड़ा, पदम यादव, राजकुमार यादव, राजेश जायसवाल, बनवारी लाल, प्रियंका साईवाल, रेणु यादव, प्रेमलता मीना, नरेंद्र अरोड़ा सहित नर्सेज, नर्सिंग फैकल्टी, नर्सिंग स्टूडेंट्स उपस्थित थे।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

जिला कलक्टर ने की भीषण गर्मी के बीच जीव मात्र के हितार्थ कदम उठाने की अपील

जिला स्तरीय बीमा समिति की बैठक का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निस)। । जिला कलक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस दौरान उन्होंने भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा जिला स्तरीय बीमा समिति की बैठक भी ली। जिला कलक्टर किशोर कुमार ने नगरीय निकायों को निर्देशित किया है कि बेजुबान पशु-पक्षियों के हित में भामाशाहों के सहयोग से ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए ऐसे स्थानों का चिन्हिकरण किया जाए, जो कि गर्मी के मध्यनजर असुरक्षित हैं। ऐसे स्थानों पर पीने के पानी, पंखे-कूलर, ओआरएस के पैकेट्स की व्यवस्था की जाए। जिला कलक्टर ने कहा, "गर्मी का प्रकोप मानव जाति के साथ-साथ पशु और पक्षियों पर भी भारी है। इसलिए, उन्होंने कोई भी प्यास ना रहे इम दिशा में भामाशाहों, कार्मिक संगठन, धार्मिक ट्रस्ट, समाज सहयोगी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से अपील की वे पशु पक्षियों के लिए दाना, चारा और पानी की व्यवस्था एवं सार्वजनिक स्थानों पर छाया, पानी की व्यवस्था जैसे पुनीत कार्यों में अपनी सहभागिता दर्ज करें ताकि इस जानलेवा गर्मी के दौर में किसी भी जीव पर संकट न आए। इससे न केवल पक्षियों को राहत मिलेगी, बल्कि आम जनता में भी पर्यावरण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी। जिला कलक्टर किशोर कुमार ने विभागों को भेजे गए एमपी/एमएलए परिवादों की समीक्षा कर शेष परिवादों के जवाब भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर लंबित चल रहे परिवादों का समय पर निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाने एवं एवरेज डिस्पोजल टाइम में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर विभागवार पेंडेंसी की समीक्षा करते हुए 30 दिवस से ऊपर लंबित परिवादों को निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए बिजली एवं पानी की व्यवस्था को सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने उपखंड अधिकारियों एवं तहसीलदारों को सभी जगह पेयजल पूर्ति हेतु संकटग्रस्त क्षेत्रों में टैंकर द्वारा की जा रही सप्लाई की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि मौसम में बदलाव को देखते हुए मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए उपयुक्त उपाय सुनिश्चित करें। उन्होंने बीमारियों की रोकथाम की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए अस्पतालों में सुविधाऐं बढाने, मरीजों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत निगम को पीएम सूर्य घर योजना का प्रचार प्रसार कर पात्र लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने विभागों में कार्यरत आशा सहयोगिनी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहित विभिन्न संविदाकर्मी, ऑपरेटर को ग्रुप इंश्योरेंस के माध्यम से बीमा योजना से जोड़ने के निर्देश दिए ताकि चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का फायदा लाभार्थी को मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न कंपनियों में कार्यरत मजदूर को जागरुक कर इन योजनाओं से जोड़ने हेतु निर्देशित किया ताकि सबको बीमा अभियान की सफल क्रियान्वित हो सके। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, कोऑपरेटिव वेद प्रकाश सैनी, उप निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग सुरभि कुमारी चौधरी, जिला रसद अधिकारी राकेश सोनी, सीडीपीओ बीना गुप्ता, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अरविंद गेट, बिजली विभाग, पीएचईडी, पुलिस, राजीविका, बिजली, कृषि, वन, शिक्षा, सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर के सांगानेर में दिल दहला देने वाला हादसा, सरकारी मदद की दरकार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। सांगानेर के उपखण्ड क्षेत्र के वार्ड 96 में स्थित मंदरामपुरा कच्ची बस्ती में बीते दो दिन पहले सुबह-सुबह अफरा-तफरी मच गई जब अचानक आग की लपटों ने 15 गरीब परिवारों के आशियानों को अपनी चपेट में ले लिया। मजदूरी कर अपने बच्चों का पेट पालने वाले इन लोगों की नींद आंखों के सामने जलती हुई झुग्गियों और धधकती आग से खुली। अपनी जान बचाने को लोग घर छोड़कर भागे, लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक सब कुछ राख हो चुका था—कपड़े, बर्तन, राशन, बच्चों की किताबें, और वो छोटा सा सपना जिसे उन्होंने 'घर' कहा था। आग लगने के दौरान पुलिस और फायर ब्रिगेड ने तत्परता दिखाते हुए मदद जरूर की, लेकिन हादसे के दो दिन बाद तक प्रशासन या कोई जनप्रतिनिधि इन पीड़ितों की सुध लेने नहीं पहुंचा। इस कठिन समय में एक सरकारी महिला ने जरूर मानवीयता की मिसाल पेश की। उन्होंने अपनी जेब से कुछ पीड़ितों को 50-50 रुपये दिए—एक छोटी सी मदद, लेकिन एक बड़ा संदेश कि इंसानियत आज भी ज़िंदा है। अब ये गरीब परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। न छत है, न भोजन। मंदरामपुरा की इस बस्ती में सिर्फ राख है, आंसू हैं और एक सवाल—क्या कोई आएगा हमारी मदद को? क्या शासन-प्रशासन की नजर इस ओर पड़ेगी? यह समय है संवेदनशीलता और सहयोग का। जरूरत है कि समाज और सरकार इन बेसहारा लोगों की तरफ कदम बढ़ाएं और उन्हें दोबारा ज़िंदगी की पटरी पर लाने में मदद करें।

राज्यपाल बागडे मीणा समाज सामूहिक विवाह समारोह में सम्मिलित हुए, सामूहिक विवाह स्वस्थ सामाजिक परम्परा- राज्यपाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कांस.)। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को फागी में आयोजित मीणा समाज सामूहिक विवाह समारोह में सम्मिलित होकर नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने नव विवाहित जोड़ों का आह्वान भी किया कि वे समाज में शिक्षा के अधिकाधिक प्रसार और कुरीतियों के निवारण के संवाहक बनें। समारोह में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा भी उपस्थित रहे। बागडे ने विवाह को पवित्र बंधन बताते हुए कहा कि सामूहिक विवाह स्वस्थ सामाजिक परम्परा है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह भारतीय संस्कृति और सामाजिक मूल्यों का अनुपम उदाहरण है। विवाह दो लोगों को शारीरिक, मानसिक, और भावनात्मक रूप से एक साथ बांधता है। उन्होंने कहा कि समाज में समानता, एकता और सहयोग की भावना को बल देने वाले सामूहिक विवाह दहेज प्रथा, फिजूलखर्ची और सामाजिक असमानता जैसी कुरीतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

8 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 6 केन्टर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कांस.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देषानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में ट्रोमा सेन्टर, एसएमएस अस्पताल, 200 फीट बाईपास अजमेर रोड़, वार्ड नं. 63 गजसिंहपुरा एवं गोपालपुरा बाईपास से अस्थाई अतिक्रमण को करने वालों के विरूद्ध 8 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 6 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में ट्रोमा सेन्टर, एसएमएस अस्पताल, 200 फीट बाईपास अजमेर रोड़, वार्ड नं. 63 गजसिंहपुरा एवं गोपालपुरा बाईपास से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 6 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 8 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में मेरिट सूची में चयनित अभ्यर्थी अब 18 मई तक कोचिंग संस्थान में उपस्थिति दे सकेंगे

जयपुर(कासं.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत मुख्य मेरिट सूची में चयनित अभ्यर्थियों को अब 18 मई तक कोचिंग संस्थानों में उपस्थिति देने की अनुमति दे दी है, पूर्व में यह तिथि 11 मई निर्धारित की गई थी। विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव श्री बचनेश अग्रवाल ने बताया कि योजना में चयनित अभ्यर्थी की एसएसओ आईडी में प्रदर्शित कोचिंग संस्थान में 18 मई तक अपनी उपस्थिति दर्ज होगी। श्री अग्रवाल ने बताया कि विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स एवं सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने एवं समान अवसर प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा यह योजना संचालित की जा रही है। सत्र 2024-25 के लिए विभाग द्वारा सूचीबद्ध कोचिंग संस्थाओं में निःशुल्क कोचिंग किये जाने के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से प्राप्त आवेदन पत्रों की प्रोविजनल मैरिट सूची जारी कर विभागीय जिलाधिकारियों से अभ्यर्थियों की पात्रता एवं उनके आवेदन में अपलोड किये गये दस्तावेजों के सत्यापन/जांच के बाद जिलाधिकारियों द्वारा अनुमोदित किये गये आवेदन पत्रों के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों की मुख्य मेरिट सूची जारी की जा चुकी है। श्री अग्रवाल ने बताया कि जारी की गई मुख्य मेरिट सूची विभागीय वेबसाइट www.sje.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। योजना के संशोधित नवीनतम विस्तृत दिशा-निर्देश एवं मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार मुख्य मेरिट सूची जारी होने के उपरान्त अभ्यर्थियों को 10 दिवस के भीतर कोचिंग संस्थान में उपस्थिति दिए जाने का प्रावधान है।

शत-प्रतिशत नगरीय विकास कर एवं विज्ञापन शुल्क वसूली हेतु 15 मई से सभी जोन में आयोजित होंगे "समग्र सर्वे कैंप"

प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित किए जायेंगे कैंप

आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने बैठक में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

12 मई 2025 से 31 मई 2025 तक विशेष अभियान चलाकर हटाए जायेंगे अवैध हॉर्डिंग, बैनर, पोस्टर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में शत-प्रतिशत नगरीय विकास कर एवं विज्ञापन शुल्क की वसूली के लिए अभी से ही कमर कस ली है। इसके लिए सभी जोन में 15 मई 2025 से 31 जनवरी 2026 तक वार्डवार समग्र सर्वे कैंप आयोजित किए जायेंगे। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने सोमवार को समग्र सर्वे कैंप के आयोजन के संबंध में जोन उपायुक्तगण तथा राजस्व अधिकारियों की बैठक ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त सीमा कुमार, उपायुक्त राजस्व (प्रथम) अशोक कुमार शर्मा सभी जोन उपायुक्त, राजस्व अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी, संबंधित फर्म के प्रतिनिधि मौजूद रहे। आयुक्त ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में स्थित सभी संपत्ति धारकों से नियमानुसार शत-प्रतिशत नगरीय विकास कर एवं विज्ञापन शुल्क वसूल करने के लिए सभी संपत्तियों का सर्वे, रीसर्वे, अपडेशन, आपत्ति निराकरण, बिल वितरण, जिओटैगिंग तथा वसूली के लिए 15 मई 2025 से 31 जनवरी 2026 तक सभी जोन में वार्डवार समग्र सर्वे कैंप आयोजित किए जायेंगे। इसके साथ ही आयुक्त ने अवैध हॉर्डिंग, बैनर, पोस्टर पर नाराजगी जाहिर करते हुए समस्त जोन कार्यालयों में 12 मई 2025 से 31 मई 2025 तक विशेष अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए। समग्र सर्वे कैंप का उद्देश्य प्रत्येक वार्ड से शत-प्रतिशत राजस्व वसूली करना है। कैंप में संपूर्ण संपत्तियों का सर्वे, रीसर्वे, अपडेशन, आपत्ति निराकरण, बिल वितरण, जिओटैगिंग जैसे कार्य किए जायेंगे। यह कैंप प्रत्येक वार्ड में 15-15 दिन के अंतराल से आयोजित किए जायेंगे। कैंप का समय प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक रहेगा। कैंप के प्रथम चरण की शुरूआत 15 मई 2025 से होगी। जिसके अंतर्गत प्रत्येक जोन में कैंप लगाया जाएगा। मुरलीपुरा जोन के वार्ड 1 में सनसिटी जी-मार्ट परिसर, विद्याधर नगर जोन के वार्ड संख्या 21 में पार्षद कार्यालय रोड नं. 25, झोटवाड़ा जोन के वार्ड संख्या 43 में पार्षद कार्यालय रोड नं. 43 निवारू रोड, मानसरोवर जोन के वार्ड संख्या 65 में तेजाजी का चौक भाँकरोटा, साँगानेर जोन के वार्ड 86 में पब्लिक पार्क तरूछाया नगर, जगतपुरा जोन के वार्ड संख्या 104 में पार्षद कार्यालय साँगानेर, मालवीय नगर जोन के वार्ड संख्या 125 में गोकुल वाटिका पार्क(पानी की टंकी) में आयोजित किए जायेंगे। समस्त संपत्ति धारकों को अपनी संपत्ति से संबंधित आवश्यक दस्तावेज, बिल, आपत्ति आदि लाने होंगे। बकाया नगरीय विकास कर एवं गृहकर की जानकारी तथा बकाया राशि का ऑनलाइन भुगतान घर बैठे ही वेबसाइट 222. पर कर सकते हैं। इसके साथ ही अधिकृत फर्म स्पैरोसॉफ्टटैक प्राइवेट लिमिटेड के टोल फ्री नंबर 1800-572-8545 पर फोन कर संग्रहणकर्त्ता को घर बुलाकर बकाया राशि चैक के माध्यम से भी जमा करा सकते हैं। इसके साथ ही संपत्ति धारक नगरीय विकास कर के बिल पर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर किसी भी यूपीआई के माध्यम से नगरीय विकास कर का भुगतान कर सकते हैं। इसके साथ ही नगरीय विकास कर दाताओं द्वारा यदि 30 जून से पहले राशि जमा कराई जाती है तो चालू वित्त वर्ष में 10 प्रतिशत छूट भी दी जाएगी।

एसएमएस से पता लगेगा, आरजीएचएस में कितनी राशि का बिल बना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। वित्त विभाग ने राज्य में आरजीएचएस योजना में दावों के सम्बन्ध में विभिन्न प्रकार की जाँचों व अंकेक्षण का कार्य किया है। इस जांच में खुलासा हुआ है कि कई प्रकरणों में राजकीय कार्मिक/पेंशनर्स/ उनके लाभार्थी परिजनों को यह सूचना नहीं थी कि उनके आरजीएचएस कार्ड के माध्यम से वे कितना लाभ प्राप्त कर चुके हैं और कई मामलों में बिना लाभ प्राप्त किये ही उनके कार्ड के माध्यम से भुगतान दिखा दिया गया। समस्या की गहनता को देखते हुए इस सम्बन्ध में जांच और फीडबैक में पाया गया कि फार्मेसी से ली जाने वाली दवाइयों के सम्बन्ध में तो एक एसएमएस पूर्व में जाता था जिसमें दवाईयों पर होने वाले खर्च की राशि बताई जाती थी परन्तु यह एसएमएस आईपीडी/ओपीडी/डे केयर दावों के सम्बन्ध में नहीं था। अब सिस्टम में संशोधन करते हुए व्यवस्था की गई है कि लाभार्थी को अस्पताल/चिकित्सक के माध्यम से प्राप्त होने वाली आईपीडी/ओपीडी की दावे की राशि का पता लग सके। इस सम्बन्ध में शासन सचिव वित्त (व्यय) विभागी नवीन जैन ने बताया कि अब इस नई व्यवस्था से दोहरा फायदा होगा। पहला फायदा यह होगा कि राशि देखकर लाभार्थी अतिरिक्त बिलिंग की जानकारी के आधार पर निर्णय ले सकता है, साथ ही अस्पताल अब इलाज व दवा की राशि को बढ़ा-चढ़ाकर दावा प्रस्तुत नहीं कर पायेंगे। गत दो माह से एआई तकनीक के माध्यम से लगातार आरजीएचएस सिस्टम को सुधारने का कार्य हो रहा है और इसी फीडबैक के आधार पर यह एसएमएस सुविधा प्रारम्भ की गई है। यह जानकारी लाभार्थी को उनके आरजीएचएस योजना में पंजीकृत मोबाईल नम्बर पर प्राप्त होगी और यदि किसी लाभार्थी को उक्त राशि के एसएमएस प्राप्त नहीं होते हैं तो वे 181 पर सम्पर्क कर सकते हैं। वित्त विभाग ने सभी लाभार्थियों को अपने आरजीएचएस कार्ड नम्बर तथा ओटीपी किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति के साथ शेयर नहीं करने की सलाह दी।

हर व्यक्ति तक पहुँचे सरकार की योजनाओं का लाभः उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा

जयपुर(कासं.) राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, इस संकल्प को लेकर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने सोमवार को पंचायत समिति फागी में उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। डॉ. बैरवा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वच्छ भारत मिशन, स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0, प्रधानमंत्री आवास योजना और अन्य फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने लंबित विकास कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने पर बल दिया। उप मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता से फागी क्षेत्र में सड़कों के निर्माण कार्य समय पर पूरा करवाने को कहा। विद्युत विभाग से कृषि कनेक्शनों के लंबित मामलों को शीघ्र हल करने, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु पीएम सूर्य घर योजना का व्यापक प्रचार करने तथा वंचित घरों को बिजली कनेक्शन से जोड़ने के निर्देश दिए। जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग से क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति को सुचारू करने, खराब हैंडपंपों की मरम्मत और कुओं को चालू रखने की हिदायत दी गई। नगर पालिका फागी को कस्बे के सौंदर्यीकरण, नियमित सफाई और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को लाभ देने पर जोर दिया गया। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए डॉ. बैरवा ने ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी को गर्मी के मौसम को देखते हुए मेडिकल टीम गठित कर लोगों की नियमित जांच व दवा वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

15 मई को जयपुर में होगा जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम

जयपुर(कासं.)। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से 15 मई, 2025 (गुरुवार) को जयपुर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा, जिसमें जिले के जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारदर्शी एवं संवेदनशील प्रशासन के तहत जनभावनाओं के अनुरूप शिकायतों की सुनवाई करना और मौके पर ही समाधान उपलब्ध कराना है। इस जनसुनवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के मुख्य सचिव या प्रभारी सचिव भी भाग लेंगे। इसके साथ ही जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी VC के माध्यम से जुड़कर जनसमस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। जनसुनवाई से पहले गुरुवार सुबह 10.30 बजे जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक भी आयोजित की जाएगी। इस बैठक में समिति के समक्ष लंबित प्रकरणों पर गहनता से विचार-विमर्श किया जाएगा और आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। प्रशासन की इस पहल से आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक सशक्त मंच मिलेगा। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सभी विभागों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अधिकारी onsite एवं online दोनों माध्यमों से समस्याओं के निस्तारण में जुटेंगे।

जयपुर को आपदा से निपटने में बना रहा सक्षम- जागरूकता और प्रशिक्षण से सशक्त हो रहा शहर

'सक्षम जयपुर अभियान' के अंतर्गत संस्थानों में हुआ आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में चल रहा अभियान

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) जयपुर को हर प्रकार की आपदा से निपटने में सशक्त बनाने की दिशा में 'सक्षम जयपुर अभियान' लगातार सफलताओं की ओर बढ़ रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा इस अभियान के अंतर्गत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सोमवार को बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तथा विद्यासागर इंस्टीट्यूट में विशेष आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद प्रतिभा वर्मा और अतिरिक्त जिला कलक्टर संतोष मीणा की विशेष उपस्थिति रही। कार्यशालाओं का उद्देश्य शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं संस्थागत सदस्यों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए तैयार करना रहा। नागरिक सुरक्षा विभाग के उप नियंत्रक अमित शर्मा ने बताया कि प्रतिदिन विभिन्न संस्थाओं, संगठनों और संघों के हजारों सदस्यों को बुनियादी आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में आपातकालीन स्थितियों जैसे आग लगना, भूकंप, ब्लैकआउट, और युद्धकाल जैसी परिस्थितियों से निपटने की विधियों को शामिल किया गया है। साथ ही सीपीआर तकनीक, प्राथमिक उपचार, फायर फाइटिंग उपकरणों का संचालन एवं बचाव पद्धतियों का अभ्यास भी करवाया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को 'क्या करें, क्या न करें' जैसी गाइडलाइनों की भी जानकारी दी गई ताकि वे संकट के समय सही निर्णय ले सकें। विद्यार्थियों ने विशेष रूप से सीपीआर और फायर एक्सटिंग्विशर संचालन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। यह अभियान न केवल आपदाओं से निपटने की तैयारियों को मजबूती दे रहा है, बल्कि आमजन को आत्मनिर्भर और सतर्क नागरिक बनने की दिशा में भी प्रेरित कर रहा है। 'सक्षम जयपुर अभियान' आने वाले समय में शहर को एक सुरक्षित और जागरूक मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

कार्यालय ग्राम पंचायत जोगलसर

पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांकः G.P.JOGALSAR/2025-26 / E-TENDER / 40-47 दिनांक - 12.05.2025

संशोधित ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

ग्राम पंचायत जोगलसर में वर्ष 2025-26 के लिये महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की योजनाओं के लिये निर्माण सामग्री ₹ य हेतु इच्छुक विनिर्दिष्ट पंजीकृत बोलीदाता / संवेदक जो कि वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.), आयकर अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत है, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रि या से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in निम्नानुसार ई-निविदायें आंमत्रित की जाती है।

क.सं.	ग्राम पंचायत का नाम	अनुमानित लागत रूपये	धरोहर राशि रूपये	निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग रूपये	ऑनलाइन निविदा विक्रय / डाउनलोड / अपलोड करने की तिथि व समय	प्रोसोसिंग शुल्क निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की तिथि व समय	ऑनलाइन निविदा खोलने कि तिथी व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जोगलसर	8000000	180000	1500+1500	दिनांक 28.4.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 13.5.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 13.5.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 13.5.2025 साय 4.00 बजे
संशोधित निविदा							
1	जोगलसर	8000000	160000	1500+1000	दिनांक 28.4.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 13.5.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 13.5.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 13.5.2025 साय 4.00 बजे

NIB code ZCR2526A0133 UBN is: ZCR2526GLOB00270

प्रशासक
ग्राम पंचायत जोगलसर
पं. स. बीदासर (चूरू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत जोगलसर
पं. स. बीदासर (चूरू)

नदीजोड़ परियोजनाओं की मुश्किलें

पहली चिंता खर्च की है। इस मद में 5.60 लाख करोड़ रुपए खर्च का अनुमान लगाया गया था। यह खर्च और ज्यादा हो सकता है क्योंकि इसी तरह की एक योजना चार साल पहले चीन में शुरू की गई है, जहां सिर्फ दो नदियों को जोड़ने पर करीब चार हजार अरब रुपए का खर्च आया है। चीन ने अपनी सबसे बड़ी नदी यांगत्जे और देश की नंबर दो पीली नदी की जलधारा को जोड़ने की पांच दशक पुरानी परियोजना के जरिए तकरीबन डेढ़ अरब घनमीटर पानी हर साल सूखाग्रस्त शांदोंग प्रांत में भेजने का लक्ष्य रखा है, ताकि इस प्रांत में पानी की कमी के गंभीर संकट से निपटा जा सके।
करीब आधी सदी तक चली बहस के बाद चीनी मंत्रिमंडल ने इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना को दिसंबर, 2002 में मंजूरी दी थी, जिसके बाद लाखों लोगों को विस्थापित किया गया। चीन के उदाहरण को सामने रख कर देखें तो कहा जा सकता है कि हमारे देश में नदियों को परस्पर जोड़ना कितना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

बरसों से देश में जिस नदीजोड़ परियोजना को लेकर बहसों और ऊहापोह का दौर चलता रहा है, लगता है कि अब उस पर छाया कुहासा कुछ कम हो सकेगा। हाल में केंद्रीय जल संसाधन मंत्री उमा भारती ने एलान किया कि इस साल की पहली तिमाही में ही केन-बेतवा को जोड़ने का काम शुरू हो जाएगा। बुंदेलखंड में पानी की दिक्कत दूर करने वाली इस परियोजना को अब सिर्फ पर्यावरण मंत्रालय की आखिरी मंजूरी की दरकार है, उसके बाद इससे 6.35 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई और 78 मेगावॉट बिजली परियोजना को पानी मिल सकेगा। इससे पहले देश में आंध्र प्रदेश की दो प्रमुख नदियों- गोदावरी और कृष्णा को औपचारिक रूप से जोड़ा जा चुका है।

नदीजोड़ परियोजना की वकालत मुख्यत दो आधारों पर की जाती रही है। एक तो सूखे और पानी की कमी से जूझने वाले इलाकों को सतत पानी देने के उद्देश्य से और दूसरे, मानसून या अधिक वर्षा की स्थिति में नदियों में आने वाले अतिरिक्त पानी के कारण पैदा होने वाली बाढ़ की समस्या से निपटने के संदर्भ में। हिमालयी हिस्से की चौदह नदियां सदानीरा हैं। मानसून के दौरान उनमें अत्यधिक पानी आ जाता है, जो देश के उत्तर और मध्य के इलाकों में बाढ़ के विनाशक दृश्य उपस्थित करता है। ऐसे में अगर इन नदियों को गरमी और सर्दी के मौसम में सूख जाने वाली मध्य और दक्षिण भारत की नदियों से जोड़ दिया जाए, तो सूखे और बाढ़ की समस्याओं का एक झटके में समाधान हो सकता है।

यही नहीं, दिल्ली-मुंबई जैसे महानगर पेयजल के लिए पड़ोसी राज्यों और बांधों से मिलने वाले पानी पर आश्रित हैं। ऐसे कई इलाके हैं, जो सिंचाई और पेयजल के लिए पानी के अभाव से जूझ रहे हैं, क्योंकि उनके आसपास की नदियां या तो भयानक रूप से प्रदूषित हैं या बरसात के बाद प्राय सूख जाती हैं। सबसे अहम यह होगा कि सिंचाई के लिए मानसून पर हमारी निर्भरता का नदीजोड़ परियोजना से स्थायी समाधान निकल सकता है। अगर यह योजना कारगर रहती है, तो न सिर्फ कुछ असिंचित क्षेत्रों के लिए सिंचाई और बिजली उत्पादन के लिए पानी का बंदोबस्त हो जाएगा, बल्कि कई जगहों पर बाढ़ का संकट भी नहीं रहेगा। पर नदियों को जोड़ने का सपना जितना बड़ा है, उसके तामीर होने की राह में मुश्किलें भी उतनी ही ज्यादा हैं।

पहली चिंता खर्च की है। इस मद में 5.60 लाख करोड़ रुपए खर्च का अनुमान लगाया गया था। यह खर्च और ज्यादा हो सकता है क्योंकि इसी तरह की एक योजना चार साल पहले चीन में शुरू की गई है, जहां सिर्फ दो नदियों को जोड़ने पर करीब चार हजार अरब रुपए का खर्च आया है। चीन ने अपनी सबसे बड़ी नदी यांगत्जे और देश की नंबर दो पीली नदी की जलधारा को जोड़ने की पांच दशक पुरानी परियोजना के जरिए तकरीबन डेढ़ अरब घनमीटर पानी हर साल सूखाग्रस्त शांदोंग प्रांत में भेजने का लक्ष्य रखा है, ताकि इस प्रांत में पानी की कमी के गंभीर संकट से निपटा जा सके।

करीब आधी सदी तक चली बहस के बाद चीनी मंत्रिमंडल ने इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना को दिसंबर, 2002 में मंजूरी दी थी, जिसके बाद लाखों लोगों को विस्थापित किया गया। चीन के उदाहरण को सामने रख कर देखें तो कहा जा सकता है कि हमारे देश में नदियों को परस्पर जोड़ना कितना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि इतनी बड़ी परियोजना के लिए खर्च की चिंता से परे ज्यादा बड़ी मुश्किलें पर्यावरण और लोगों से विस्थापन पर भूमि अधिग्रहण की हैं। पर्यावरणविदों का मत है कि नदियों को परस्पर जोड़ने का मतलब उनकी स्वाभाविक चाल को बदलना होगा। इसके विनाशकारी परिणाम निकल सकते हैं।

असल में, हर नदी अपने साथ अपना जीवन (अपनी स्वाभाविक प्रकृति, रंग और जलीय जीव जंतुओं की उपस्थिति) लेकर बहती है, जो दूसरी नदियों में जुड़ने से समाप्त हो जाता है। ऐसे बदलावों के कारण नदियों के कुपित होने का ठीक वैसा ही असर हो सकता है, जैसा केदारनाथ त्रासदी और कश्मीर बाढ़ के वक्त देखा गया था। कानूनी और भावनात्मक पहलुओं के अलावा नदीजोड़ परियोजना में सबसे बड़ी अड़चन पर्यावरण की है। दूरगामी असर की बात छोड़ दें, तो भी इससे हर कोई इत्तफाक रखता है कि नदियों के बहाव की एक स्वाभाविक दिशा है। उन्हें जोड़ने के लिए अगर उनके बहाव की दिशा नहरों के जरिए मोड़ दी जाती है, तो कुछ साल बाद वे जमीन को दलदली और खारा बना कर अपना बदला निकालती हैं। यह बात हरित क्रांति के दौरान बनाई गई नहरों के दूरगामी नतीजों से साबित हुई है। नदियों का विकास लाखों वर्षों की प्राकृतिक प्रक्रिया से होता है। ऐसे में नदियों के स्वाभाविक मार्ग को रोकने से पूरी नदी जल प्रणाली बदल सकती है। नदियां तीन-चार साल में किनारा बदलती रहती हैं, जिससे उनके पानी को बांधने और मनमुताबिक प्रवाह देने में कठिनाई आएगी।

इसके अलावा पर्यावरण के जानकारों ने यह दावा करते हुए नदियों को जोड़ने पर चिंता जताई है कि इससे समुद्री जीवन को खतरा पैदा हो जाएगा और यह जल विज्ञान और पारिस्थितिकी के अनुकूल नहीं है।

इन भावी परिणामों की चिंता छोड़ दें, तो भी जमीनी स्तर पर भूमि अधिग्रहण और पानी के बंटवारे को लेकर राज्यों के बीच दशकों से कायम असहमतियों के बीच नदियों को जोड़ना एक दुष्कर कार्य है। आज भले गोदावरी-कृष्णा को जोड़ दिया गया हो और केन-बेतवा के जोड़ पर यूपी-एमपी में सहमति बन चुकी हो, लेकिन सतलुज-यमुना लिंक नहर को लेकर पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा के बीच जैसा विवाद है और कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच जो कावेरी जल विवाद है, उनके चलते उनतीस राज्यों में तीस नदियों को जोड़ना आसान नहीं लगता। कोई भी राज्य अपने यहां मौजूद नदियों का पानी पड़ोसी राज्यों को देने के लिए तैयार नहीं है, इसी तरह बांध की ऊंचाई बढ़ाने (संदर्भ मुल्लापेरियार बांध) के मुद्दे पर राज्य सरकारों के बीच सिर-फुटव्वल की स्थिति बन जाती है। ऐसे हालात में नदीजोड़ परियोजना कितने राज्यों के बीच किस-किस तरह के विवादों का विषय बनेगी और इसका नतीजा देश के लिए कैसा होगा, इसका पूरा अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। सच्चाई यह है कि नदीजोड़ जैसी कुछ योजनाएं कागजों पर तो अच्छी लगती हैं, लेकिन व्यावहारिकता में इनके रास्ते में कई मुश्किलें हैं। मुद्दा सिर्फ पर्यावरण के लिहाज से संवेदनशील नहीं है, बल्कि कई राजनीतिक मुश्किलें भी हैं, जिससे बड़े परिप्रेक्ष्य में इस परियोजना के साकार होने में कई समस्याएं और सवाल नजर आते हैं। सवाल है कि अगर नदीजोड़ में इतनी मुश्किलें हैं, तो आखिर खेती को सूखे से बचाने और देश को बाढ़ की आपदा से कुछ हद तक सुरक्षित करने का उपाय क्या है?

सम्पादकीय

जंग के मुहाने से लौटे भारत-पाक, क्या संघर्ष विराम से जगेगी शांति की उम्मीद

भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ दिनों से जिस तरह युद्ध के हालात बने हुए थे, उसमें यह आशंका गहरी हो रही थी कि कहीं यह ज्यादा जटिल शक्ल न अख्तियार कर ले। खासतौर पर पाकिस्तान की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रिया देखी जा रही थी, उसमें ऐसा लग रहा था कि उसे भारत की ओर से आतंकी ठिकानों को निशाना बनाए जाने से परेशानी है और इसी वजह से वह एक दिशाहीन टकराव की ओर बढ़ रहा है। मगर शनिवार को जिस तरह भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के लिए सहमति बनने की खबर आई, उससे शांति के लिए एक सकारात्मक उम्मीद बंधी है। दरअसल, भारत की मंशा पहले भी सिर्फ इतनी ही रही कि उसने बेलगाम आतंकियों को सबक सिखाने के लिए एक 'नपी-तुली और नियंत्रित' प्रतिक्रिया का रास्ता अपनाया था, वह भी उन्हें काबू में करने के लगभग सारे विकल्प खत्म हो जाने के बाद। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने आतंकी ठिकानों को निशाना बनाए जाने को अपने ऊपर हमला माना और जवाब में जिस तरह की कार्रवाई शुरू कर दी, उसमें नाहक हड़बड़ी और अपरिपक्वता दिख रही थी। मगर इससे स्थिति बिगड़ जाने की आशंका खड़ी हो गई थी। हालांकि इस बीच भारत ने कूटनीतिक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में प्रभाव रखने वाले देशों के सामने समूची स्थिति स्पष्ट तौर पर रखी और इस संघर्ष में पाकिस्तान की भूमिका को भी रेखांकित किया। यह आतंकियों के खिलाफ प्रत्यक्ष कार्रवाई से लेकर कूटनीति के मोर्चे पर बहुस्तरीय घेरा था, जिसका दबाव पाकिस्तान साफ महसूस कर रहा था। शायद यही वजह है कि अमेरिकी मध्यस्थता के बाद पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक यानी डीजीएमओ की ओर से भारत के डीजीएमओ को फोन आया और दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी कि शनिवार को शाम पांच बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद कर देंगे। जाहिर है, गंभीर शक्ल लेने की ओर बढ़ते टकराव के बीच पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम की घोषणा शांति की राह तलाशने के लिहाज से एक जरूरी पहलकदमी है और इस पर पाकिस्तान को पहले ही गौर करना चाहिए था। मगर कई बार किसी मसले को इस रूप में भी देखा जाता है कि अगर अंत में सब ठीक कर लिया गया तो वही रास्ता सही है। इसमें कोई दोराय नहीं कि युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी हल नहीं है। विडंबना यह है कि कई बार किसी एक पक्ष की द्वेषपूर्ण जिद की वजह से दूसरे को मजबूरन और आखिरी विकल्प के रूप में अपने बचाव में ठोस कदम उठाने पड़ते हैं। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत के सामने यही विकल्प बचा था कि वह आतंकियों की लगातार ऐसी हरकतों को रोकने के लिए एक बड़ी कार्रवाई करे और उन्हें संरक्षण और शह देने वाले ठिकानों को निशाना बनाए। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने जो रवैया अपनाया हुआ था, उससे कई बार ऐसा लग भी रहा था कि वह नाहक ही हालात को उलझाने में लगा हुआ है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भारत की संयमित प्रतिक्रिया के बदले में पाकिस्तान ने भारतीय इलाकों में न केवल बेलगाम गोलीबारी शुरू कर दी, बल्कि इस बात का भी खयाल नहीं रखा कि इसका शिकार आम नागरिक हो रहे हैं। एक ओर भारत की कार्रवाई आतंकियों के खिलाफ थी, तो वहीं पाकिस्तान की गोलीबारी में पहले दिन दो बच्चों सहित कई लोगों की जान चली गई।

साइबर जोखिम

सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2019 में भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम द्वारा चिह्नित किए गए साइबर हमलों की संख्या चार लाख से नीचे थी, लेकिन इस वर्ष जून तक ही 6,74,021 घटनाएं दर्ज की गई। साइबर सुरक्षित राष्ट्र के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत सरकार को एक मजबूत रणनीति बन बनानी होगी जो सरकारी प्रणालियों, नागरिकों और व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा करे। यह न केवल नागरिकों को साइबर खतरों से बचाने में मदद करेगा, बल्कि अर्थव्यवस्था में निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाएगा। हाल ही में देश के महत्त्वपूर्ण प्रतिष्ठान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली में साइबर हमला हुआ। यह एजेंसियों द्वारा सुलझा भी नहीं था कि फिर साइबर हमलावरों ने सरकारी जलशक्ति मंत्रालय के ट्विटर अकाउंट को आंशिक रूप से हैक कर लिया। देश के सरकारी वेबसाइटों पर यह दूसरा साइबर हमला था। साइबर अपराधों में बेतहाशा वृद्धि को देखते हुए उपभोक्ताओं को डिजिटल दुनिया में अधिक जागरूक रहना होगा। डिजिटल उपभोक्ताओं को यह समझने की जरूरत है कि हम एक बड़ी साइबर श्रृंखला से जुड़े हुए हैं। उनको अपने यंत्र, कंप्यूटर और लैपटाप को सुरक्षित बनाए रखने के लिए उचित फायरवाल, एंटीवायरस और सुरक्षा मानकों को अपनाना चाहिए। कोई जानकारी आनलाइन साझा करने के दौरान लापरवाही नहीं करनी चाहिए। किसी तीसरे पक्ष द्वारा दिए लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए। देश को अधिक साइबर सुरक्षित बनाने के लिए हमें अपने स्तर पर सहयोग देने की आवश्यकता है। आंकड़े बताते हैं कि कैसे कतर के जिस दिन से 2022 का फुटबाल विश्वकप की मेजबानी करने का घोषणा हुई, उसी समय से वहां प्रवासी मजदूरों के साथ घोर अत्यचार का दौर भी शुरू हो गया। मजदूरों को प्रताड़ित किया जाना, उन्हें अमानवीय परिस्थितियों में रखा जाना, उनका वेतन भुगतान समय पर नहीं किया जाना, पासपोर्ट जब्त कर लेने से लेकर बारह से लेकर अठारह घंटों तक काम कराना। पुष्ट खबरों के अनुसार भारत, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के आंकड़ों से पता चला है कि 2011-2020 की अवधि में 5,927 प्रवासी श्रमिकों की मौत हो हुई। अलग से कतर में पाकिस्तान के दूतावास के आंकड़ों ने 2010 और 2020 के बीच 824 पाकिस्तानी श्रमिकों की मौतों की पुष्टि की है। कतर की हुकूमत इन मृतकों के परिवारजनों से सहानुभूति जताने के स्थान पर आज भी उनका उपहास उड़ा रही है। इससे दुनिया भर के मानवाधिकार संगठों एवं कार्यकर्ताओं में रोष फैल गया है। क्या अब भी फीफा को यही लग रहा है कि कतर को मेजबानी देना एक सही फैसला था?

आर्थिक सुस्ती में निवेश की चुनौती

भारत ने वर्ष 2003-04 से कारोबार सुगतना के लिहाज से 48 सुधारों को लागू किया। विश्व बैंक के अनुसार भारत की इस साल की उपलब्धि कई सालों के सुधार के प्रयासों पर टिकी हुई है। भारत लगातार तीसरे साल अर्थव्यवस्था के मामले में शीर्ष-10 सुधारक देशों में शामिल रहा है। भारत के सुधार की प्रमुख वजह दिवालिया कानून को लागू करना, निर्माण परमिट से निपटना, संपत्ति का पंजीकरण करना और सीमा पार व्यापार को बेहतर करना है। कारोबार सुगमता सूची में न्यूजीलैंड शीर्ष पर बना हुआ है।

विश्व बैंक की राय में भारत में कारोबार करना ज्यादा आसान हो गया है। विश्व बैंक की कारोबार सुगमता सूची या 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की रैंकिंग में भारत ने इस साल 14 पायदान की छलांग लगाकर अब 63वां स्थान हासिल किया है। न्यूजीलैंड पहला स्थान बरकरार रखने में सफल रहा है। सिंगापुर दूसरे और हांगकांग तीसरे स्थान पर रहे। कोरिया पांचवें और अमेरिका छठे स्थान पर रहा। भारत की रैंकिंग वर्ष 2014 में 190 देशों में 142वें स्थान पर थी। इस रैंकिंग में सुधार होने से भारत को ज्यादा विदेशी निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। वर्ष 2018 में भारत इस सूची में 77वें स्थान पर था। विश्व बैंक की यह रैंकिंग सूची ऐसे समय में आई है, जब भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, मूडीज समेत कई विभिन्न एजंसियों ने आर्थिक सुस्ती को देखते हुए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बढ़त के अनुमान को घटा दिया है। किसी भी देश की आर्थिक वृद्धि के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अर्थात कारोबार सुगमता बेहद अहम होता है। विश्व बैंक की यह सूची तैयार करने में कई तरह के आकलन किए जाते हैं और किसी देश को रैंकिंग दी जाती है। यह देखा जाता है कि वहां कारोबार करने में लोगों को कितनी आसानी है। कौन सा देश किस नंबर पर रहेगा- इसका फैसला देशों में कारोबार की सुगमता के आधार पर किया जाता है। भारत ने वर्ष 2003-04 से कारोबार सुगतना के लिहाज से 48 सुधारों को लागू किया। विश्व बैंक के अनुसार भारत की इस साल की उपलब्धि कई सालों के सुधार के प्रयासों पर टिकी हुई है। भारत

लगातार तीसरे साल अर्थव्यवस्था के मामले में शीर्ष-10 सुधारक देशों में शामिल रहा है। भारत के सुधार की प्रमुख वजह दिवालिया कानून को लागू करना, निर्माण परमिट से निपटना, संपत्ति का पंजीकरण करना और सीमा पार व्यापार को बेहतर करना है। कारोबार सुगमता सूची में न्यूजीलैंड शीर्ष पर बना हुआ है। इसके बाद सिंगापुर, हांगकांग का स्थान है। दक्षिण कोरिया सूची में पांचवें और अमेरिका छठे स्थान पर है। यह सूची ऐसे समय में आई है जब भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व-बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने देश की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान में कमी की है। भारत में कंपनियों के बीच करारनामा लागू करने और संपत्ति के पंजीयन में लगने वाले समय को लेकर सुधार न होने से भारत शीर्ष 50 में शामिल होने से चूक गया। करारनामा लागू कराने को लेकर भारत की रैंकिंग 190 देशों में 163 वें स्थान पर रही। पिछले साल भी यह इसी स्थान पर रही थी। जाहिर है, एक साल में इसमें कोई भी सुधार नहीं हुआ है। दरअसल, इसमें दो कंपनियों के बीच विवाद के निपटारे की पद्धति, समय और उसकी लागत को ध्यान में रखकर इसकी रैंकिंग तय की जाती है। संपत्ति के पंजीयन में भारत को इस साल इस श्रेणी में 154 वें स्थान मिला, जबकि पिछले साल 166 वां स्थान था। दरअसल, इसकी पारदर्शी प्रक्रिया, पद्धति, लागत आदि कारकों पर रैंकिंग तय होती है। विश्व बैंक के निदेशक (विकास अर्थव्यवस्था) साइमन जेनकोव ने कहा कि लगातार तीसरे साल सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले शीर्ष दस देशों में भारत जगह बनाने में सफल रहा है। इस रैंकिंग के 20 साल के दौर में ऐसी सफलता बहुत कम देशों को मिली है। बिना किसी अपवाद के ऐसा प्रदर्शन करने वाले देश बहुत छोटे और कम आबादी वाले रहे हैं।

मैं यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थी

एक्ट्रेस निकिता दत्ता इन दिनों ज्वेल थीफ में अपने काम के लिए तारीफ बटोर रही हैं। इस फिल्म में वह जयदीप अहलावत और सैफ अली खान के साथ नजर आ रही हैं। अपने करियर के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मैं एक आर्मी फैमिली से आती हूं। मेरे आसपास लगभग सभी ने किसी न किसी रूप में सेना में सेवा दी है। ऐसे अनुशासित माहौल में पली-बढ़ी होने के कारण, मैं भी एक ऐसा करियर चाहती थी जिसमें स्पष्टता और स्थिरता हो। एक समय ऐसा भी था जब मैं यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थी। लेकिन अब जब मैंने एक्टिंग को अपना पेशा चुना है, तो ये बदलाव मेरे लिए बहुत बड़ा लगता है। उन्होंने आगे कहा, हम ऐसे माहौल में बड़े हुए जहां बहुत सारे नियम, दिनचर्या और बंदिशें थीं। हर काम नियम के अनुसार होता था। क्रिएटिव फील्ड में करियर चुनना, जहां हर दिन कुछ नया होता है.. मेरे लिए उस जीवनशैली से बिलकुल अलग था। लेकिन मुझे लगता है कि उस अनुशासित परवरिश ने ही मुझे इस उथल-पुथल भरी इंडस्ट्री में फोकस्ड और मजबूत बनाए रखा है। भले ही फिल्म इंडस्ट्री चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन बचपन का अनुशासन और ठहराव मुझे हार न मानने की ताकत देता है।

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो निकिता दत्ता ने 2014 में रोमांटिक ड्रामा लेकर हम दीवाना दिल से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। वह गोल्ड, कबीर सिंह, द बिग बुल और खाकी- द बिहार चैप्टर जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में, वह हीस्ट एक्शन थ्रिलर ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स में नजर आई। कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल की निर्देशित इस फिल्म में सैफ अली खान, जयदीप अहलावत और कुणाल कपूर भी थे। ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स का प्रीमियर 25 अप्रैल, 2025 को नेटफ्लिक्स पर हुआ।

भूल चूक माफ के ओटीटी रिलीज पर बोली वामिका

वामिका गब्बी और राजकुमार राव की फिल्म भूल चूक माफ 9 मई को थिएटर्स में रिलीज होने वाली थी। कई दिनों के प्रमोशन के बाद आज मुंबई और दिल्ली में फिल्म के प्रेस शोज भी आयोजित किए गए थे। इसी बीच मेकर्स ने एक चौंकाने वाली अनाउंसमेंट कर दी। उन्होंने बताया कि अब यह फिल्म 16 मई को रिलीज होगी और वो भी ओटीटी पर। अब अमर उजाला से एक्सक्लूसिव बातचीत में अभिनेत्री वामिका गब्बी ने मेकर्स के इस फैसले के पीछे की कहानी बयां की।

.

वामिका गब्बी ने कहा, इस समय भारत-पाकिस्तान के बीच के हालात नाजुक हैं। देश की स्थिति को देखते हुए थिएटर में फिल्म रिलीज करना संभव नहीं था। हम अपने देश के साथ खड़े हैं। यही हमारी प्राथमिकता है। हालांकि, हम इस बात से भी खुश हैं कि फिल्म आखिरकार ऑडियंस तक पहुंचेगी। मेरा मानना है कि ओटीटी पर रिलीज होगी तो यह और ज्यादा लोगों तक पहुंच सकेगी। वामिका ने आगे बताया, मैं मेकर्स के इस फैसले से बहुत खुश हूं। फिल्म का थिएटर में रिलीज होना हम सभी के लिए खास था, लेकिन हालात को देखते हुए हम खुश हैं कि फिल्म अब अपने ऑडियंस तक पहुंच सकेगी।

बतौर ऑडियंस मुझे भी थिएटर में फिल्में देखना पसंद है

जब वामिका से पूछा गया कि उन्हें थिएटर में फिल्में देखना कितना पसंद है? तो वामिका ने कहा, थिएटर में फिल्म देखने का अनुभव हमेशा यादगार होता है। बतौर ऑडियंस, मुझे पर्सनली थिएटर में फिल्में देखना पसंद है लेकिन इस बार हमें देश की स्थिति को देखते हुए डिजिटल रिलीज का रास्ता अपनाना पड़ा।

9 मई को थिएटर में रिलीज होने वाली थी फिल्म

बता दें, भूल चूक माफ जो 9 मई को थिएटर में रिलीज होने वाली थी, अब 16 मई को ओटीटी पर रिलीज होगी। फिल्म का ओटीटी पर रिलीज होने का फैसला देश में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए लिया गया। मेकर्स ने एक बयान जारी करते हुए कहा, हाल के घटनाक्रमों और देशभर में बढ़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण, हमने यह निर्णय लिया कि हम अपनी पारिवारिक फिल्म भूल चूक माफ को सीधे आपके घरों तक पहुंचाएंगे। यह केवल ओटीटी पर 16 मई को रिलीज होगी।

भारत-पाकिस्तान तनाव का असर

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए खासकर जम्मू और कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद यह फैसला लिया गया है। इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी, जिसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च किया।

बोमन ईरानी के बाद तन्वी द ग्रेट फिल्म में जैकी श्रॉफ की एंट्री

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं, लेकिन अब वह अपनी आगामी फिल्म तन्वी द ग्रेट में बतौर निर्देशक से चर्चा में हैं। इस फिल्म की एक-एक जानकारी का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। अब अनुपम खेर ने बोमन ईरानी के बाद फिल्म में एक और दिग्गज एक्टर की एंट्री का खुलासा किया है, जो ब्रिगेडियर की भूमिका में नजर आएंगे।

तन्वी द ग्रेट फिल्म के निर्देशक अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर जानकारी दी है। इस पोस्ट में अभिनेता ने जिस एक्टर का खुलासा किया है वह कोई और नहीं, बल्कि सुपरस्टार जैकी श्रॉफ हैं, जो फिल्म में ब्रिगेडियर जोशी की भूमिका में नजर आएंगे। साझा किए गए पोस्टर में जैकी श्रॉफ आर्मी ऑफिसर की भूमिका में दिख रहे हैं।

अनुपम ने जैकी श्रॉफ के लिए लिखा खास संदेश निर्देशक अनुपम खेर ने यह पोस्ट साझा करते हुए अभिनेता जैकी श्रॉफ के लिए एक खास संदेश लिखा है। उन्होंने कहा, 'जैकी श्रॉफ मेरे भाई हैं, हमने न केवल कई फिल्मों में एक साथ काम किया है, बल्कि हम रिश्तेदार भी हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि उनकी पत्नी आयशा श्रॉफ मुझे 30 साल से अधिक समय से राखी बांधती आ रही हैं। जैकी का दिल सोने का है, प्यार उनका दूसरा नाम हो सकता है। एक दिन वह मेरे घर आए, उस समय मेरी फिल्म की कास्टिंग बाकी थी, लेकिन कुछ गाने रिकॉर्ड किए थे। उन गानों को मैंने उन्हें सुनाया और सुनने के बाद उन्होंने मुझे गले लगा लिया और कहा कि मेरे बिना यह फिल्म मत बनाओ।'

जैकी श्रॉफ मेरी ताकत हैं

आगे उन्होंने लिखा, 'ब्रिगेडियर जोशी का किरदार भारतीय सेना अधिकारी की तरह है। वह मजबूत, निर्णायक और विनम्र हैं। उनके किरदार को वर्षों तक याद रखा जाएगा। निस्वार्थ दोस्ती और शानदार अभिनय के लिए धन्यवाद श्रॉफ। आप मेरी ताकत का स्तंभ हैं। ऑन और ऑफ स्क्रीन दोनों। जय हिंद।'

जल्द होगी रिलीज

अनुपम खेर द्वारा निर्देशित 'तन्वी द ग्रेट' में शुभांगी दत्त और बोमन ईरानी मुख्य भूमिका में दिखेंगे। फिल्म में ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम करीम ने संगीत दिया है। हालांकि, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

वरुण धवन की हीरोइन बनेंगी मृणाल ठाकुर

हाल ही में अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में एक्ट्रेस निर्देशक डेविड धवन के साथ दिख रही हैं, जो शूटिंग सेट से साझा की गई है। इस तस्वीर को मृणाल ठाकुर ने यूके से शेयर किया है, जिसमें वह निर्देशक डेविड धवन के साथ मुस्कुराती हुई बैठे नजर आ रही हैं। आपको बताते चलें कि रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री इस समय है जवानी तो इश्क होना है फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन डेविड धवन कर रहे हैं। इस फिल्म में बतौर मुख्य अभिनेता के तौर पर एक्टर वरुण धवन हैं, जो शूटिंग में जोरो-शोरों से व्यस्त हैं। इसके अलावा रिपोर्ट्स के जरिए ये जानकारी भी सामने आ रही है कि फिल्म में मृणाल ठाकुर के साथ पूजा हेगड़े भी नजर आएंगी। इस फिल्म की कास्टिंग को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।

कोहली के लाइक से बढ़ी लोकप्रियता, इन फिल्मों में नजर आ चुकी हैं अवनीत कौर

सोशल मीडिया पर एक छोटा सा 'लाइक्स' कितना बड़ा तूफान ला सकता है यह हाल ही में अवनीत कौर और विराट कोहली के मामले ने दिखा दिया है। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने अवनीत की एक इंस्टाग्राम पोस्ट को गलती से लाइक किया, जिसके बाद अभिनेत्री सुर्खियों में छा गई। हालांकि, विराट ने इसे एल्गोरिदम की गलती बताकर सफाई दी, लेकिन इस वाकये ने 23 साल की अवनीत कौर की पॉपुलैरिटी को और बढ़ा दिया। अवनीत कौर ने 2010 में 'डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स' से शुरुआत की, जहां उनकी प्रतिभा को खूब सराहा गया। इसके बाद उन्होंने 'मेरी मां', 'चंद्र नंदिनी', और 'अलादीन - नाम तो सुना होगा' जैसे टीवी सीरियल्स में काम किया। छोटे पर्दे पर उनकी लोकप्रियता ने उन्हें बड़े पर्दे का रास्ता दिखाया। अवनीत ने 2014 में रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उन्होंने मीरा का किरदार निभाया, जो छोटा लेकिन प्रभावशाली था। इसके बाद 2017 में वह 'करीब करीब सिंगल' में एक छोटी सी भूमिका में दिखीं। 2019 में 'मर्दानी 2' में भी उनका कैमियो दर्शकों को पसंद आया।

इसमें कोई शक नहीं कि जानी-मानी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी मनोरंजन जगत में आने से पहले ही स्टार बन चुकी थी। सोशल मीडिया में हमेशा सुर्खियों में छाई रहने वाली पलक अपने लिंकअप्स के कारण भी ख़बरों में रहती हैं। सलमान खान के साथ किसी का भाई किसी की जान से फिल्मों में डेब्यू कर चुकीं पलक इन दिनों चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म द भूतनी से।

मेरे माता-पिता का अलग होना हम तीनों के लिए अच्छा

या आप मानती हैं कि आपको अपनी अभिनेत्री मां के कारण इतना बड़ा मौका मिला?

मुझे लगता है, ये बहुत बड़ा कन्फ्यूजेशन है। हर किसी को अलग-अलग एडवांटेज मिलते हैं। अब जैसे मैं टेलिविजन में जाती तो मुझे बहुत फायदा मिलता, क्योंकि मेरी मम्मी ने छोटे पर्दे पर एक बहुत बड़ा मुकाम बनाया है। पर अपनी पहली फिल्म का मौका मुझे बिग बॉस के कारण मिला। मैं वहां हार्डी संधू के साथ अपना बिजली गाना प्रमोट करने गई थी। हां, मम्मी के कारण मुझे विजिबिलिटी बहुत मिली, मैं मानती हूं कि श्वेता तिवारी की बेटी होने के नाते मुझे बहुत शोहरत मिली। मगर फिल्म में मेरा रोल छोटा था, अगर फायदा होना होता तो फिर रोल में भी होना चाहिए था। मैं नहीं मानती कि मम्मी के स्टारडम के कारण काम के तरीके में मुझे कोई मदद मिली हो।

आप इंडस्ट्री में आने से पहले ही स्टार बन चुकी थीं?

जी, ये सही है और ये मेरी मम्मी के कारण हुआ। मेरी मम्मी को बहुत प्यार मिला है आज तक। बिजली गाने में अपने डेब्यू से पहले मुझे भी बहुत प्यार मिलता था। पर यह प्यार कभी -कभी प्रेशर में भी बदल जाता है, क्योंकि मेरी मम्मी के फैंस उनको लेकर इतने पजेसिव हैं। मैं तो बस यही चाहती हूं कि वो मुझे अपनाएं और मेरी कोशिश यही रहेगी कि मैं उन्हें निराश न करूं। प्रेरणा की बेटी का जो दर्जा मिला है, मैं उनकी नाक हमेशा ऊंची रखूं।

अक्सर सोशल मीडिया पर अगल-बगल में आपकी और आपकी मम्मी की तस्वीर लगा कर आप दोनों के बीच तुलना भी की जाती है, अजीब लगता होगा?

चूंकि मेरी मम्मी बहुत फेमस हैं, तो लोग ये भूल जाते हैं कि वे मेरी मां हैं। अब तो हम इस बात पर हंसना सीख गए हैं, मगर पहले हमें भी ये बात अजीब लगती थी। मम्मी भी इस बात को समझ नहीं पातीं, मैं समझने की कोशिश करती हूं। मुझे लगता है, हम दोनों पब्लिक निगाह में हैं और लोग हमें जानते हैं। हमने ही उन्हें वो सहमति दी है कि वे हमें जानें। इसके अलावा भी कई बार बहुत सारी चीजें आ जाती हैं, जैसे कभी कहा जाता है, हमें तुमसे ज्यादा तुम्हारी मां पसंद हैं, तो उन्हें क्यों लगता है कि ये सुनकर मुझे बुरा लगेगा? लोगों को लगता है कि मेरी मां और मैं अभिनेत्रियां हैं, तो इसके कारण हम दोनों में कॉम्पिटीशन होगा, तो ये बात तो मुझे बहुत फनी लगती है। अपनी मां से मैं क्यों कॉम्पिटीशन करूंगी भाई।

आपके माता-पिता (एक्टर राजा चौधरी) के अलगाव और जटिल संबंधों का आप पर कितन प्रभाव पड़ा? कभी लगता है कि पलट कर कुछ बदला जा सकता था?

सच बताऊं, तो जो होता है, अच्छे के लिए ही होता है, क्योंकि मेरे मम्मी और पापा अलग नहीं हुए होते तो मैं वो इंसान न होती, जो आज मैं हूं। मेरी मम्मी भी वो इंसान न होतीं, जो वो आज हैं। उनको ग्रो करने का मौका नहीं मिलता। मेरी मम्मी के डिवोर्स से कितनों को उम्मीद मिली है कि हां, हम भी छोड़ सकते हैं अपने पति को। मेरे मम्मी और पापा साथ नहीं हैं, तो इसका मतलब ये नहीं है कि मेरे पापा ने अच्छे पापा बनने की कोशिश नहीं की। वो शायद उस समय जितना कर सकते थे, उन्होंने किया। मगर वो सही नहीं था हम तीनों के लिए, पर आज हम तीनों खुश हैं। अब कोई भी चीज मुझे उतना दुख नहीं देती, क्योंकि मुझे लगता है कि मैं किसी भी हालात से निकल सकती हूं। ये मैंने सीखा अपनी मम्मी से, क्योंकि मैं जानती हूं कि मेरी मम्मी मेरे पापा से कितना प्यार करती हैं और कितना मुश्किल था ये उनके लिए। मगर एक औरत होने के नाते दूसरी औरत, जो कि मेरी मां है, के लिए बहुत कठिन था, मगर उन्होंने किया और मैंने उससे बहुत कुछ सीखा।

आपकी नई फिल्म भूतनी में आपके साथ मौनी रॉय जैसी लोकप्रिय अभिनेत्री भी हैं, तो उनकी मौजूदगी को लेकर कभी कोई असुरक्षा थी?

मेरे दिल में उनके लिए बहुत इज्जत है, क्योंकि वे बहुत ही ज्यादा अच्छी अभिनेत्री हैं और उस पर उन्होंने जो भूमिकाएं की हैं, वो बहुत कमाल का है। हमारी फिल्म में वे मोहब्बत नाम का चरित्र निभा रही हैं जबकि इससे पहले उनका किरदार जुनून भी काफी फेमस हुआ था। टीवी पर उन जैसी नागिन तो हुई ही नहीं। असल में उनका स्क्रीन प्रेजेंस इतना स्ट्रॉन्ग है कि पूछो मत। चूंकि वे टीवी के बैकग्राउंड से आती हैं, तो मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं, क्योंकि वो छोटे पर्दे के कलाकार ही होते हैं, जो किसी भी हालात में अपना बेस्ट दे जाते हैं। उनका बेस बहुत मजबूत होता है। उनसे किसी तरह के कॉम्पिटीशन और असुरक्षा की तो बात ही नहीं, क्योंकि उनका दर्जा चाहे वो अनुभव हो या कला, मुझसे काफी ऊंचा है। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा।

ध्यान साधना

दुखों और रोगों से मुक्ति दिलाता है मेडिटेशन

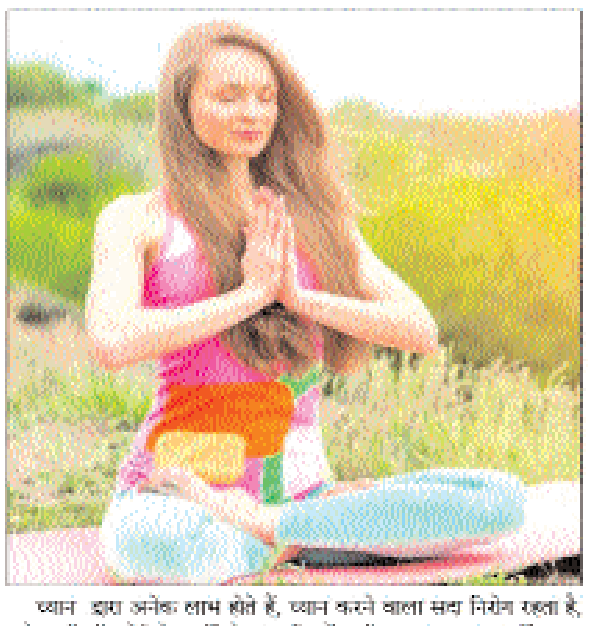

ध्यान द्वारा अनेक लाभ होते हैं. ध्यान करने वाला सदा निरोग रहता है, उसे कभी भी कोई रोग नहीं होता। शरीर में भारीपन या आलस्य नहीं रहता, शरीर का वर्ण उज्ज्वल हो जाता है। ध्यान द्वारा हम सब प्रकार के दुखों से भी मुक्ति पा सकते हैं। साधारणतया जीवन में एक के बाद एक समस्याएं आती रहती हैं। उनसे बचने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय भी करते हैं। कई लोग दुखों से बचने के लिए शराब, सिगरेट व अन्य खतरनाक किस्म के नशों का प्रयोग करते हैं। इससे उनका दुख कम तो नहीं होता, अपितु और अधिक बढ़ जाता है। उनका शरीर भी उसी की अग्नि में जल कर भस्म हो जाता है। जो दुख आने पर नशा नहीं करते वे निराश इतनी रहते हैं कि चिंता से उनकी चिता बन जाती है।

ध्यान से रोगों और दुखों से छुटकारा

ध्यान द्वारा हम अनेक प्रकार के रोगों से ही नहीं, अनेक प्रकार के दुखों से भी छुटकारा पा सकते हैं। ध्यान द्वारा हम लाभ चाहते हैं तो हमें यह भी जानना आवश्यक है कि

हम ध्यान कैसे करें?

ध्यान की सही प्रक्रिया क्या है?
ध्यान के लिए किन बातों का ध्यान रखा जाए?
ध्यान करने के लिए किस प्रकार बैठा जाए।

इस संबंध में ध्यान रखी जाती है कि ध्यान करने बैठे तो सिर, गला और छाती उठाए रख कर सीधी रखें, इधर-उधर न झुकने दें एवं शरीर सीधा और स्थिर रखें। यदि हम सिर, गला और छाती सीधे न रखेंगे, तो निद्रा और आलस्य के कारण ध्यान नहीं सध पाएगा। इसके और भी कारण हैं। मेरुदंड सीधा रखना आवश्यक है।

यह अवश्य रखें ध्यान

ध्यान करने बैठें तो यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि शरीर को अकड़ाया न जाए, बल्कि उसे सरल और सहज ढंग से सीधा रखा जाए। जब हम ध्यान में एकाग्रता का प्रयास करते हैं, तो इंद्रियां जैसे बाहर की विषयों की तरफ भागने लगती हैं। ऐसा करने का उनका पुराना अभ्यास पड़ा हुआ है। अतः इंद्रियों को बाहरी विषयों से हटाकर परमात्मा अथवा उसके स्वरूप दिव्य ज्योति में ध्यान लगाना चाहिए। जहां ध्यान किया जाए वहां आसन की भूमि समतल होनी चाहिए, वहां कूड़ा-करकट नहीं होना चाहिए। ध्यान का अभ्यास करने वाले की प्रकृति यदि ठीक है, तो शुरू से उसे कभी कोहरा दिखाई देता है, कभी धुआं दिखाई देता है, कभी सूर्य के समान प्रकाश दिखाई देता है, कभी आग जैसा तेज दिखाई देता है, कभी जुगनू की टिमटिमाहट-सी दिखाई देती है। ऐसे दृश्य यह आभास देते हैं कि ध्यान-साधना प्रगति पथ पर है और ध्यान में उन्नति हो रही है।

ध्यान की प्रक्रिया निरंतर चलती रहने से एक स्थिति यह आती है कि ध्याता को पृथ्वी, जल, तेज, वायु एवं आकाश पर अधिकार प्राप्त हो जाता है। इन महाभूतों से संबंधित पांचों योगविषयक सिद्धियां प्राप्त हो जाती हैं। उसका शरीर ध्यानमय होता है, तो परमात्मा की कृपा बरसती है। सभी प्रकार के दुखों का अंत हो जाता है। रोगनाश के लिए ध्यान एक अत्यंत प्रभावशाली उपाय है। ध्यान करने वाला आत्मतत्व के द्वारा ब्रह्मतत्व को भली-भांति प्रत्यक्ष कर लेता है और फिर वह सब प्रकार के बंधनों से सदा के लिए छूट जाता है।

ईर्ष्या से ग्रसित इंसान स्वयं को पहुंचाता है नुकसान

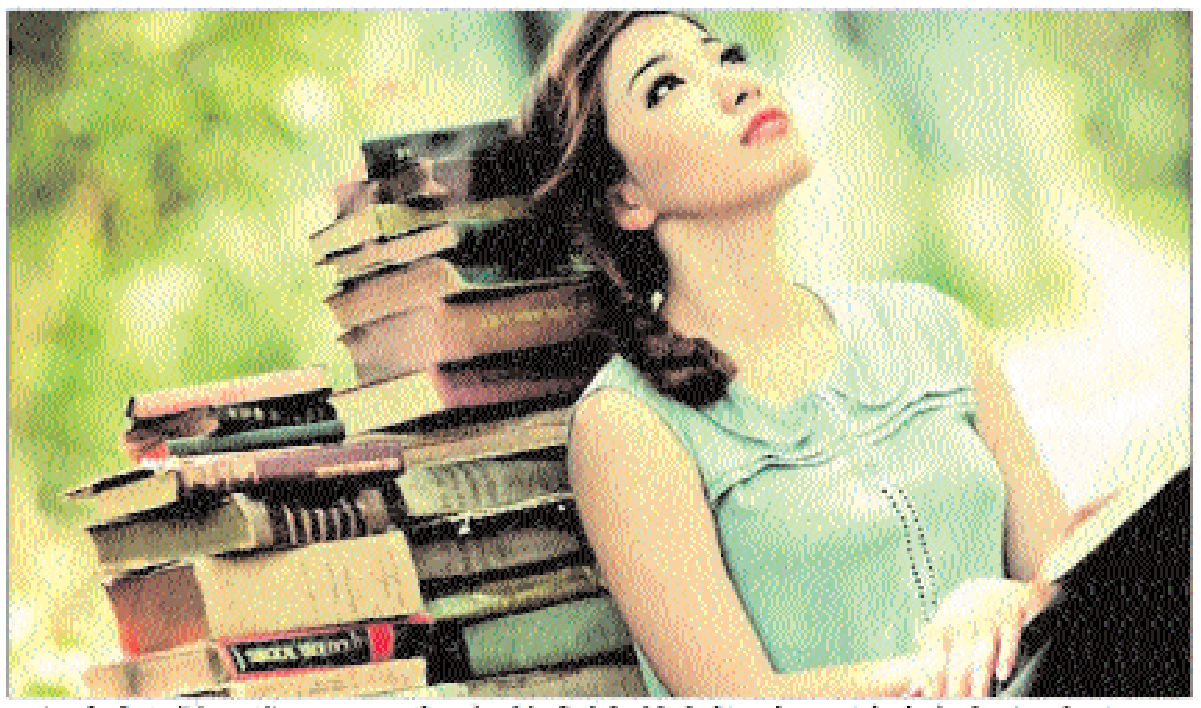

इंसान विपरीत भावों के जाल में उलझता हुआ जीता है। उसके कुछ भाव सकारात्मक होते हैं और कुछ नकारात्मक। प्रेम, सद्भाव, सेवा और त्याग की प्रवृत्ति जहां जीवन के उत्थान का कारण बनती है, वहीं दूसरी ओर क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष जैसे भाव मानव को कितना नुकसान पहुंचाते हैं, इसकी अनुभूति उसे खुद भी नहीं हो पाती। इनमें ईर्ष्या एक नकारात्मक भाव है, जिसकी तीव्रता कभी मंद तो कभी तेज प्रतीत होती है। कहीं कहीं तो अत्यधिक ईर्ष्या से ग्रस्त प्राणी दूसरों को हानि पहुंचाने के साथ स्वयं अपने विनाश की ओर अग्रसर होता जाता है। यदि यह माने कि चिंता चिता के समान है तो ईर्ष्या उसकी अग्नि है। तभी तो इसे जलन की संज्ञा दी जाती है। स्वभाव में ईर्ष्या का पुट कहीं न कहीं अपने आप में छोटेपन का परिचायक है। मनुष्य प्रत्येक क्षेत्र में सफल नहीं हो सकता, परंतु अविवेकी लोग यह मानने लगते हैं कि मैं सबसे अग्रणी हूं, मुझसे अच्छा या योग्य और कोई नहीं। ऐसी परिस्थिति में जब वे वह नहीं प्राप्त कर पाते जो दूसरे आसानी से भोग रहे होते हैं तो वे ईर्ष्या के भाव से ग्रस्त होने लगते हैं। यह भाव उनकी प्रकृति व संस्कार का हिस्सा बन जाता है। फिर ईर्ष्या जन्म देती है क्रोध और

घृणा को, जो और भी भयंकर परिणाम का कारण बनते हैं।

मनोविज्ञानी भी इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि एक सीमा से आगे पहुंचकर ईर्ष्या मनुष्य को एक प्रकार की रुग्णावस्था में पहुंचा देती है। दुर्भाग्य तो यह है कि उसे इस विषम परिस्थिति का ज्ञान ही नहीं हो पाता कि कब ईर्ष्या की मनोदशा उसे किस दलदल में धंसाने लगती है। ईर्ष्या एक ऐसा छिपा हुआ भाव है जिसे मनुष्य जाने-समझते हुए भी अस्वीकार करता रहता है। वैज्ञानिक विश्लेषण यहां तक सिद्ध करने का दावा करते हैं कि क्रोध और ईर्ष्या की स्थिति में शरीर में नुकसानदेह हार्मोन का स्राव ज्यादा होता है। ईर्ष्या से ग्रसित प्राणी स्वयं अपने को ही पीड़ा देता है। यदि दूसरों से व्यर्थ की होड़ न करके संयम रखते हुए मनुष्य खुद को ऊपर उठाने में प्रयासरत रहे तो कोई कारण नहीं कि ईर्ष्या जैसी अग्नि से बचा न जा सके।

सेहत के लिए हानिकारक हैं ये फूड

आज के समय में ज्यादातर लोग बाहर की चीजें खाना पसंद करते हैं। ये उनकी सेहत के लिए बिल्कुल अच्छी नहीं होती। लेकिन हम अपनी डेली रूटीन में भी घर पर ऐसी कई चीजों का सेवन करते हैं, जो हमारी सेहत के लिए हानिकारक होती है। बावजूद इसके हम अपनी व्यस्त लाइफ के कारण अपने खान-पान पर ध्यान नहीं देते और जाने-अनजाने में घर बैठे कई बीमारियों को बुलावा दे देते हैं। आईए जानते हैं उन हानिकारक चीजों के बारे में

पैक्ड फूड: चॉकलेट, पैक्ड जूस, पॉपकॉर्न इन सभी में आर्टिफिशियल रंग मिला होता है, जो हमारे शरीर के लिए हानिकारक होता है। इसलिए इनका सेवन करने से बचें।

बासी खाना: बहुत से लोग रात के बचे चावल या बासी खाना अगले दिन खा लेते हैं, जिसे खाने से आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

अचार: अधिक मात्रा में अचार खाने से भी जुकाम, सूजन और गांठ जैसी बीमारी हो सकती है।

अंडा और दूध: किसी भी जानवर से निकलने वाली चीजें जैसे कि दूध या अंडा बिना उबाले नहीं खाना चाहिए। इससे आप बीमार का शिकार हो सकते हैं।

चाय या कॉफी: अक्सर लोग सुबह उठकर खाली पेट चाय या कॉफी पीते हैं। इससे पेट में एसिडिटी की समस्या होती है।

घरेलू उपाय

हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी फटी एड़ियों की परेशानी

सर्दियों में फटी एड़ियों की परेशानी आम है. लेकिन ये और भी बुरी उस वक्त हो जाती है जब पैरों की रेगुलर केयर ना की जाए. रोज़ाना एड़ियों पर ध्यान ना देने से स्किन दिन ब दिन सख्त होने लग जाती है और ड्राय होकर फटने लगती है. फटने पर इसमें दर्द शुरू हो जाता है. अगर आप इस परेशानी से नहीं जूझना चाहती हैं तो पैरों का भी चेहरे की तरह ध्यान रखें और नीचे दिए गए टिप्स को अपनाएं.

1. सर्दियों में सबसे असरदार है पेट्रोलियम जैली. इसे बस आपको रोज़ाना रात को लगाना है. इसके लिए पैरों को अच्छे से धोने के बाद कॉटन तौलिए से पोंछें. उसके बाद एड़ियों पर वैसलीन लगाएं और मोज़े पहनकर सोएं.

2. सर्दियों में घर में भी मोज़े पहनकर रखें. बेहतर होगा कि आप सुबह नहाने के बाद भी पैरों को पोंछकर मॉइश्चराइज़र लगा लें. पैरों को खुला कम रखें. धूप में पैरों की गरम तेल से अच्छी तरह मालिश करें.

3. पैरों को हफ्ते में एक बार पेडीक्योर करें. इससे आपके पैरों की एक्स्ट्रा स्किन की लेयर हट जाएगी. इसके लिए आधा बाल्टी गरम पानी में थोड़ा नमक और शैम्पू डालें. नमक में ऐसी एक्सफोलिएटिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जिससे डेड स्किन जल्दी निकल जाती है. नेलपॉलिश हटाकर पैरों को पानी में डुबोएं. इससे आपके पैरों से सभी बैक्टीरिया भी निकल जाएंगे. फुट स्क्रबर से पैरों को 15 से 20 मिनट साफ करें. उसके बाद तौलिए से पोंछकर क्रीम लगाकर मोज़े पहन लें.

4. अगर आपकी एड़ियां बहुत ही ज्यादा फटी हों तो रात को सोने से पहले पैरों को साफ करके एड़ियों में गुनगुना मोम लगा लें. इससे आपकी फटी एड़ियां जल्दी ठीक हो जाएंगी.

5. अगर आपको रोज़ाना मोज़े नहीं पहनने हों तो नहाने के बाद एड़ियों को हल्का स्क्रब करें और सरसों या फिर नारियल का तेल ज़रूर लगाएं. ये दोनों ऑयल भी डेड स्किन को खत्म कर त्वचा को जल्दी रिकवर करते हैं.

डायबिटीज मरीज के लिए वरदान है कसूरी मेथी

सर्दियों में कसूरी मेथी का अधिक सेवन किया जाता है, जो हरे पत्तेदार सब्जियों में आती है, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद है। कसूरी मेथी में कैल्शियम, आयरन और विटामिन भरपूर मात्रा में होते हैं। इसमें पाए जाने तत्व शरीर में बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं। इसके अलावा भी इसके सेवन से कई तरह की परेशानियों दूर होती हैं। आइए जानते हैं कैसे।

पेट की प्रॉब्लम : कसूरी मेथी पेट की समस्याओं में काफी फायदेमंद है। इसके सेवन से कब्ज, दस्त, एसिडिटी जैसी प्रॉब्लम्स दूर रहती हैं। अगर पेट में किसी प्रकार की एलर्जी भी हो तो इसमें कसूरी मेथी काफी फायदेमंद हो सकती है।

कोलेस्ट्रॉल रखें कंट्रोल : कसूरी मेथी एथेरोस्क्लेरोसिस को कम करने में मदद करती है। लिपिड फ्लक्चुएशन से पीड़ित रोगी के लिए कसूरी मेथी काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। यह कोलेस्ट्रॉल के लेवल को ठीक रखती है।

डायबिटीज : कसूरी मेथी एंटी-डायबेटिक एलिमेंट की तरह काम करती है जो टाइप-2 डायबिटीज से ग्रसित मरीज के लिए काफी फायदेमंद है। इसलिए ऐसी स्थिति में कसूरी मेथी का सेवन करें।

त्वचा के लिए लाभकारी : कसूरी मेथी में विटामिन और आयरन भरपूर होता है जो त्वचा को किसी भी तरह की इंफेक्शन से बचाए रखते है। इसके सेवन से चेहरे पर पिंपल्स और डार्क सर्कल की समस्या नहीं होती।

वैसलीन को इन तरीकों से करें इस्तेमाल

सर्दियों में फटे होंठों को मुलायम और हाथों को कोमल बनाने के लिए हर घर में पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल होता आ रहा है. इसके अलावा, पैरों की फटी एड़ियों को भी फिर पहले जैसी खूबसूरत बनाने के लिए पेट्रोलियम जेली लगाई जाती है. लेकिन सिर्फ हाथ-पैरों को सुंदर बनाने के अलावा पेट्रोलियम जेली को और भी कई तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है. आपको बता दें कि पेट्रोलियम जेली को ज्यादातर लोग वैसलीन के नाम से जानते हैं. यहां जानिए इसके चौंका देने वाले 7 फायदों के बारे में, जिससे आप सभी अब तक अनजान रहे हैं.

1. अगर आप हर वक्त महकना चाहते हैं और बार-बार परफ्यूम लगाने के झंझट से बचना चाहते हैं तो इसे लगाने से पहले उस जगह पेट्रोलियम जेली लगा लें. जैसे आपको गर्दन और कलाइयों पर परफ्यूम लगाना है तो उस जगह पहले थोड़ी पेट्रोलियम जेली यानी वैसलीन लगा लें और फिर परफ्यूम स्प्रे करें. इससे खुशबू पूरे दिन बनी रहेगी.

2. शूज को पॉलिश करने वाली वैक्स खत्म हो जाए और आपको जूते चमकाने हों! तो ऐसे में थोड़ी-सी पेट्रोलियम जेली अपने जूतों पर लगाएं और साफ कपड़े से इसे रगड़ें. ऐसा करने से आपके जूते शाइन करने लगेंगे. पेट्रोलियम जेली का बेस्ट पार्ट ये है कि इससे आप किसी भी रंग के शूज और हील्स को चमका सकते हैं.

3. सर्दियों में सिर्फ आपके या हमारे नहीं बल्कि जानवरों के नाखून भी सूख जाते हैं. अगर आपके घर में पालतू जानवर हैं तो आप अपने पेट्स के नाखूनों के आस-पास थोड़ी पेट्रोलियम जेली से मसाज कर सकते हैं. ध्यान रखें जेली कम मात्रा में ही लगाएं ताकि वो इसे चाट ना सकें. इससे उनके नाखून चमक उठेंगे. अगर आपके पालतू जानवर को कोई समस्या पहले से हो तो आप पेट्रोलियम जेली के इस्तेमाल से पहले पशुचिकित्सक से सलाह जरूर लें.

4. आप बाहर जाने को तैयार हों और अचानक आपकी चेन खराब हो जाए! ऐसी सिचुएशन में गुस्सा होने के बजाय ज़रा सी पेट्रोलियम जेली चेन पर लगाएं और उसे दो-तीन बार ऊपर-नीचे करें. बस आपकी चेन अब ठीक हो गई है. कुछ लोग मोम का भी इस्तेमाल करते हैं, लेकिन पेट्रोलियम जेली से भी ये काम किया जा सकता है.

5. बालों में जूंएं हो जाना? पेट्रोलियम जेली आपकी इस परेशानी को भी खत्म कर सकता है. इसके लिए जेली को अपनी स्कैल्प पर लगाएं और थोड़ी देर बाद बालों को धो लें. इससे आपके जुएं तो कम हो जाएंगी लेकिन पेट्रोलियम जेली सिर से पूरी तरह निकालने के लिए कई बार धोना पड़ सकता है.

6. आपने नोटिस किया होगा जो लोग बालों को कलर करते हैं उनकी गर्दन और माथा दोनों भी रंग जाते हैं. आपके साथ ऐसा ना हो इसीलिए बालों को कलर करने से पहले माथे और गर्दन सभी जगह अच्छे से पेट्रोलियम जेली लगा लें. इससे आपके बालों का रंग आपकी स्किन पर नहीं आएगा.

7. हर लड़की रोज़ाना बाहर जाने से पहले मेकअप करती है. जितनी मेहनत वो इसे चेहरे पर लगाने में करती है उससे ज़रा सा भी समय अगर वो हटाने में करे तो चेहरे पर दाग-धब्बे, पिंपल्स नहीं हों. इसके लिए, कॉटन में थोड़ी-सी पेट्रोलियम जेली लगाकर चेहरा साफ करें. इससे आपका आई मेकअप भी हट जाएगा.

चर्बी कम करती है नींबू की चाय

नींबू की चाय तो सभी हैं लेकिन इसके फायदे कम ही जानते हैं। नींबू की चाय पीने से पेट की चर्बी कम होती है। आयुर्वेद के जानकार मदन जोगी इसके फायदे बता रहे हैं।

यह हैं नींबू की चाय पीने के फायदे

नींबू की चाय पेट पर जमा होने वाली चर्बी को कम करती है। इसके अलावा नींबू में पाया जाना वाला विटामिन सी शरीर से जहरीले पदार्थ को भी बाहर निकालता है।

नींबू की चाय जुकाम में ही राहत पहुंचाती है। दिन में दो तीन बार पीने से यह खराब गले में भी राहत पहुंचाता है। इसके अलावा नींबू की चाय से शरीर का इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

नींबू की चाय पीने से दिमाग ताजा रहता है और मानसिक थकावट नहीं होती है। नींबू की चाय पीने से सिरदर्द, कमजोरी और सुस्ती भी दूर होती है।

नींबू की चाय डायबिटिज के रोगियो के लिए भी फायदेमंद है। नींबू की चाय पीने से शरीर में इंसुलिन का स्त्राव बढ़ता है जिससे शुगर नियंत्रित रहता है।

रेसिपी

शकरकंद-आलू के पकौड़े

सामग्री

शकरकंद- 1 कप कसा हुआ, कच्चे आलू- 1 कप छिले और कसे हुए, मूंगफली पाउडर- 2 चम्मच, अरारोट पाउडर- 1 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच, धनिया- बारीक कटा हुआ, हरी मिर्च- 1 बारीक कटी हुई, नमक- स्वादानुसार, तेल- तलने के लिए

विधि

सबसे पहले कसे हुए शकरकंद और आलू को एक बड़े बोल में डाल कर अच्छी तरह मिला लीजिए। अब मूंगफली पाउडर, आरारोट पाउडर, महीन कटी प्याज, हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर और हरी धनिया को इस मिश्रण में डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब कढ़ाई को गैस पर रख कर इसमें तेल डाल कर गरम करें। इस मिश्रण के बराबर आकार के हथेली के बीच में रख कर छोटे छोटे गोले बना लें। गर्म तेल मे आहिस्ता से एक बार में चार से पांच गोले डालें। इन्हें हल्का सुनहरा होने तक मध्यम आंच पर तल लें ताकि ये अंदर तक सिक जायें और कुरकुरे हो जायें। इसी प्रकार सारे पकौड़े तल लें। गरमा गरम पकोड़ों को हरे धनिए की चटनी या सॉस के साथ सर्व करें।

हरा भरा मेथी पुलाव

सामग्री

1-1/2 कप बासमती चावल, 1 कप हरा मटर, 50 ग्राम पनीर (छोटे- छोटे टुकड़ो में काट कर तल लें), 100 ग्राम मेथी पत्ता (कटा हुआ), 2 टमाटर (कटे हुए), 4-5 लहसुन का पेस्ट, 2-3 हरी मिर्च कटी हुई, 1/4 टी स्पून हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक स्वादानुसार, टे.स्पून तेल/बटर।

विधि

मेथी पते को अच्छी तरह धो ले। पैन में तेल डालकर गरम करे और लहसुन पेस्ट डालकर हल्का भूरा होने तक भूने। उसके बाद कटा टमाटर, मटर, मेथी, हरी मिर्च, नमक, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर पैन मे डालकर 8/9 मिनट तकअच्छी तरह भून ले। चावल को भी पैन मे डालकर 5 मिनट तक फ्राई करे। उसके बाद पानी डालकर पांच मिनट तक धीमी आंच पर पकाए। तले हुए पनीर को चावल के ऊपर डाल कर रायते के साथ सर्व करें।

प्राथमिक कक्षाओं के लिए शिक्षा मंत्री ने दिए स्मार्ट टीवी एवं सम्पर्क टीवी डिवाइस वितरण

चाकसू में 27 स्मार्ट टीवी डिवाइस वितरण किया

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.) सम्पर्क फाउंडेशन एवं राजस्थान शिक्षा परिषद संयुक्त तत्वाधान में स्मार्ट स्कूल कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसके तहत जयपुर जिले के 45 विद्यालयों को स्मार्ट टीवी और सम्पर्क टीवी डिवाइस वितरण किया गया। जिसमे प्राथमिक कक्षा 1 से 5 के बच्चों को कक्षा में पुस्तकों साथ स्मार्ट टीवी डिवाइस शैक्षणिक मैटेरियल गणित अंग्रेजी हिन्दी विषय हेतु खेल खेल में राजकीय शिक्षकों द्वारा अध्यापन करवाया जायेगा। निपुण भारत मिशन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए। कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन एवं बच्चों की लर्निंग गुणवत्ता में सुधार करने के लिए राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के साथ मिलकर राज्य में सम्पर्क स्मार्ट शाला के अंतर्गत विशेष रूप से राजकीय विद्यालयों हेतु कार्य किया जा रहा है। फाउंडेशन के द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 1 से 5 के बच्चों हेतु डिजिटल शिक्षण संसाधन उपलब्ध करवाकर बच्चों के साथ क्रियान्वयन किया जा रहा है। ब्लॉक के शिक्षक प्राथमिक कक्षाओं में सभी विषयों के साथ गणित अंग्रेजी हिन्दी विषय में सुधार लाने के लिए प्रतिबंध है। सम्पर्क टीवी डिवाइस से बच्चों की तार्किक क्षमता का विकास तो होगा ही सही क्रम और सही ढंग से पढ़ना पढ़ाना भी आसान होगा। ब्लाक के सभी सरकारी विद्यालय के लिए गणित अंग्रेजी किट और साउंड बॉक्स आदि शैक्षणिक सामग्री पूर्व में उपलब्ध करवाई गई हैं। जिले के चाकसू 27,जयपुर पश्चिम 12, सांगानेर 6 स्मार्ट टीवी और डिवाइस वितरण किया गया है। मुख्य रूप से पाठ्य पुस्तक शैक्षणिक सामग्री एवं डिजिटल रिसोर्स का उपयोग करके बच्चों की नवाचारी शैक्षणिक क्षमताओं का विकास किया जायेगा। शिक्षा मंत्री द्वारा फाउंडेशन के द्वारा राजकीय विद्यालयों हेतु राजस्थान के 11 जिलों में निरंतर किए जा रहे प्रयासों हेतु शिक्षा विभाग की और से सम्पर्क के संस्थापक और टीम का आभार प्रकट किया। क्षेत्रीय प्रबंधक अंकुर शर्मा ने बताया की स्मार्ट शाला में बच्चों को शिक्षण कार्य हेतु दिए कंटेंट एनीमेटेड वीडियो वर्कशीट रोचक प्रॉजेक्ट वर्क प्रश्नोत्तरी ब्रेन शाला नई दिशा हिंदी की रोचक कहानियों एवं कक्षा की पाठ्य पुस्तक से जोड़ा गया है। सभी शिक्षकों को ब्लॉक स्तरीय गणित अंग्रेजी हिन्दी की शैक्षणिक विधाओं से खेल खेल में पढ़ाने हेतु प्रशिक्षित कर अभ्यास भी करवाया गया है।इस अवसर शिक्षा संकुल से जयपुर समग्र शिक्षा के अधिकारी अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक सुनील जी सिंघल एवं सहायक परियोजना समन्वयक ओमप्रकाश सैनी एवं सम्पर्क के राज्य समन्वयक योगेन्द्र दाधीच कार्यक्रम समन्वयक अनिमेष अंकुर शर्मा गंगाराम सुभाष चौधरी चयनित ब्लॉक से संस्थाप्रधान पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी शिक्षक उपस्थित रहे।

इंटरलॉक लगाने का कार्य शुरू

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। झुंझुनू रोड़ स्थित अम्बेडकर भवन के सामने इंटरलॉक लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया। पिछले दिनों कस्बे के लोगो की ओर से नगर पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी से अंबेडकर भवन के सामने चौक में इंटरलॉक लगाने की मांग की गई थी। उसी के क्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी की ओर से उक्त कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सोनी ने कहा कि कस्बे के सम्भ्रांत लोगो की ओर से अम्बेडकर भवन के सामने पड़े चौक में इंटरलॉक लगवाने के प्रस्ताव रखा था जिसे सहर्ष स्वीकार करते हुए सोमवार को कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। भविष्य में उक्त भवन में कोई भी शादी विवाह इत्यादि का कोई कार्यक्रम होगा तो यह चौक उनके लिए बहुत उपयोगी होगा।

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT DOONGA KI NANGAL P.S. PATAN (NEEM KA THANA)

S.NO. : DATE : 12-05-2025

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract of Material Procurement in varies construction works undar MGNAREGA and Other Scheme For FY 2025-26 are invited from intersted bidders till Date 23-05-2025, 12:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in & http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the procurement is RS : 3000000

UBN No. PKP2526GLRC00047

PRASHASHAK
G.P. DOONGA KI NANGAL

VDO
G.P. DOONGA KI NANGAL

कार्यालय नगरपालिका राजाखेड़ा जिला धौलपुर

E-mail : rajakhera.jaipur@yahoo.com phone- 05642-233202

क्रमांक - न.पा./ भूमि शाखा / 2025 / 218 दिनांक 09-05-2025

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि लीज डीड पट्टा हेतु निम्न पत्रावलियां कार्यालय नगरपालिका में प्राप्त हुई है जो निम्न प्रकार है-

क्र.सं.	आवेदन का क्रमाक	आवेदक का नाम व पता	क्षेत्रफल वर्गमीटर	आवेदित भूखण्ड क्रमांक व कॉलोनी का नाम
1	LD/RJKR/2024-25/192487	मीना पत्नि दिनेश कुमार वार्ड नं. 33	67.877	एलसीएम कॉलोनी खसरा नं. 3034,5055
2	LSG/CLU90A/2024-25/358	मीना पत्नि दाउजी वार्ड नं.20	1782.00	महदवार 2 खसरा नं. 2923,5281,2922,

उपरोक्त पत्रावलियों पर किसी व्यक्ति एवं संस्था को निम्न प्रकरण के संबन्ध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशित होने की तिथि से 7 दिवस में आपत्ति मय दस्तावेज के कार्यालय हाजा में प्रस्तुत करे समयावधि निकलने के पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा एवं नियमानुसार पत्रावली का निस्तारण कर दिया जावेगा ।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका राजाखेडा

अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस मनाया

कोटपूतली(निसं.) जिले के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस मनाया गया। यहाँ के राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय में समस्त नर्सेज स्टॉफ की उपस्थिति में नर्सेज प्रोफेशन की जन्मदात्री फ्लोरेंस नाइट इंगल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस मनाया गया। कार्यवाहक पीएमओ डॉ. नरेश छिपी ने सभी को नर्सेज दिवस की शुभकामनायें देते हुये कहा कि मरीजों की सेवा ही हमारा धर्म है, हमें हमेशा नि- स्वार्थ भाव से एक सच्चे नर्सिंग अधिकारी के कर्तव्यों का पालन करना चाहिये। नर्सिंग अधीक्षक पूरण सिंह शेखावत ने फ्लोरेंस नाइट इंगल की जीवनी पर प्रकाश डालते हुये कहा कि यह अंतराष्ट्रीय नर्सेज दिवस फ्लोरेंस नाइट इंगल नर्सेज प्रोफेशन की जन्मदात्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। जिनका जन्म 1820 में एक धनाढ्य परिवार में हुआ था। जिन्होंने अपनी पढ़ाई पूर्ण होने पर उस दौरान चल रहे क्रीमियन युद्ध के दौरान ब्रिटिश और मित्र सैनिकों की नि-स्वार्थ माता-पिता के विरोध के बावजूद स्वयं की मर्जी से घायल मरीजों की सेवा के लिये तुर्की गई। जहां रात भर जग कर कैंडल की रोशनी में मरीजों की सेवा की। जिससे इनको लेडी विद द लैंप भी कहा जाता है। 1850 के दशक में इन्होंने नर्सिंग का प्रशिक्षण लिया और 1853 में पेरिस में मारसी बहिनों के साथ नर्सिंग का अतिरिक्त प्रशिक्षण लिया। जिससे 1874 में एक नर्सेज प्रोफेशन का जन्म हुआ जो आज चिकित्सा जगत की रीढ़ है। इस दौरान राजाराम यादव, बलबीर यादव, बाबूलाल नैनावत, सुरेश कुमार, रमाकांत यादव, जयदयाल यादव, मनोज कुमार शर्मा, उमेश चंद्र वर्मा, गजानंद सिंह तंवर, जयराम यादव आदि नर्सिंग अधिकारी मौजूद रहे। इसी प्रकार यहाँ के नागाजी की गौर स्थित राजकीय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर सोमवार को राजस्थान राज्य संयुक्त नर्सेज एशोसिएशन के कोटपूतली-बहरोड़ जिलाध्यक्ष एसएनओ लालचन्द यादव के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस मनाया गया।

OFFICE GRAM PANCHAYAT MANDOLI, P.S. NEEMAKATHANA

FILE NO : 143 DATE : 12.05.2025

Notice Inviting Bid

Bid Work for GRAM PANCHAYAT MANDOLI PS NEEMKATHANA of subject matter's of Procurement are invited from intersted bidders upto 13.05.2025, 09:00 AM to 19.05.2025, 06:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in or http://sppp.raj.nic.in) of the state and PANCHAYATI RAJ departmental website. The approximate value of the procurement is RS 08,40,000/-.

UBN No. - PIQ2526WSOB00062.

SARPANCH
GRAM PANCHAYAT MANDOLI
PANCHAYAT SAMITI NEEM KATHANA

BDO
GRAM PANCHAYAT MANDOLI
PANCHAYAT SAMITI NEEM KATHANA

कार्यालय ग्राम पंचायत बसई पंचायत समिति कोटपूतली

क्रमांक - ग्रा. प.ब. / ई-टेण्डर / 2025-26/20 दिनांक-12/05/2025

ई - निविदा सूचना 01 / 2025-26

पंचायत समिति कोटपूतली की ग्राम पंचायत बसई में नरेगा योजना के विकास कार्यों के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर इच्छुक वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम 2017 के अन्तर्गत पंजीकृत फर्मों / संवेदकों से दिनांक 31.03.2026 तक के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति, दर अनुबन्ध हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से वेबसाईटइस www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है ।

NIB No. PFE2526A0022
UBN No. - PFE2526GLRC00029

सरपंच
ग्राम पंचायत बसई
पं.स. कोटपूतली (जयपुर) राज

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायतचायत बसई
पं.स. कोटपूतली (जयपुर) राज

कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राजस्थान

क्रमांक- न.पा.ता / 2024-25/553 दिनांक-12/5/25

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका क्षेत्र तारानगर के निम्नांकित भूखण्ड धारियो ने कृषि भूमि नियमन, पट्टा नामान्तरण, भवन निर्माण स्वीकृति हेतु पत्रावलियां जमा करवायी गयी है अतः जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो, इस आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस मे सप्रमाण आपति इस कार्यालय मे प्रस्तुत करे 7 बाद अवधि प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा ।

क्र. स.	आवेदक का नाम व पिता का नाम	वार्ड नं.	ऑनलाईन आवेदन	आवेदन सं.	कुल तादादी (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ
1.	खेरूना पत्नी इमरान	05	219315	4511	206.68	69ए नियमन
2.	महेन्द्र पुत्र राजकुमार	30	219317	4512	223.36	69ए नियमन
3.	प्रदीप कुमार सैनी पुत्र पवन कुमार सैनी	34	219328	4513	224.80	69ए नियमन
4.	शिव कुमार पुत्र छगनलाल शर्मा	27	219326	4514	252.67	69ए नियमन
5.	भवानीशंकर शर्मा पुत्र शुभ करण शर्मा	09	218579	4515	292.15	69ए नियमन
6.	नरेश गिर गोस्वामी, संजय गोस्वामी	14	219339	4515	17.83	69ए नियमन
7.	मनिगिर पुत्र गोपीगिर	11			149.44	स्टेट ग्रान्ट एक्ट
8.	राजेन्द्र कुमार पुत्र मालाराम	07	219522	2167	497.90	कृषि भूमि नियमन
9.	सुभाषचन्द्र पुत्र बिहारीलाल	23	219516	2168	153.43	कृषि भूमि नियमन
10.	वरूण कुमार पुत्र पृथ्वी सिंह	07	129701	226	34.65	पट्टा नामान्तरण
11.	रवि आनन्द पुत्र सतीश कुमार	20	129503	227	222.94	पट्टा नामान्तरण
12.	संजय कुमार, विपुल कुमार पुत्राण सुशील कुमार	23	127694	228	248.07	पट्टा नामान्तरण
13.	अंजना सहारण पत्नी मनीराम	16	129294	229	126.34	पट्टा नामान्तरण

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका तारानगर

कार्यालय ग्राम पंचायत बालेरा,

पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांक -ग्रा.प.क./खु.नि./ 2025-26 / 25-32 दिनांक- 12-05-2025

खुली - निविदा सूचना 07-09/2023-24

ग्राम पंचायत बालेरा में साफ सफाई के कार्य को 3 माह हेतु सम्पादित करने के लिए उपयुक्त श्रेणी के राजस्थान / केन्द्र सरकार में पंजिकृत संवेदकों सें ई-टेडर प्रक्रि या द्वारा ऑनलाईन / आफलाईन निविदाये आमंत्रित कि जाती है। उक्त निविदाएं SPPP portel पर upload कर दी गई है।
उक्त से संबधित अन्य विस्तृत विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in or http://SPPP rajasthan.gov.in NIBNo.- ZCR2526A0227 UBN No. - ZC2526SSOB00378 देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बालेरा
पं. स. बीदासर (चूरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत बालेरा
पं. स. बीदासर (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत हडियाल

पंचायत समिति तारानगर चूरू

क्रमांकःग्रा.प./सामग्री निविदा / 32-37 दिनांक 12.05.2025

संशोधित ई निविदा 01/2025-26

इस कार्यालय द्वारा जारी ई निविदा सूचना संख्या 01/2025-26 की अंतिम दिनांक 13-05-2025 को प्रात- 10.00 बजे की जगह दिनांक 15-05-2025 को सांय 06.00 बजे तक है। शेष शर्ते यथावत रहेगी। उक्त निविदा सूचना की ग्राम पंचायत वार विवरण एंव शर्ते https://eproc.rajasthan.gov. एंव https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखे एंव Download कर प्राप्त की जा सकती है ।

सरपंच
ग्राम पंचायत हडियाल

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत हडियाल

पंचायतीराज संस्थाओं के उप चुनाव के लिए लोकसूचना प्रत्याहरित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान–जयपुर के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) (कलक्टर) अभिषेक सुराणा ने आदेश जारी कर पंचायतीराज संस्थाओं में उपचुनाव के लिए 9 मई, 2025 को जारी की गई अधिसूचना को प्रत्याहरित किया है। जारी आदेशानुसार राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार वर्तमान परिस्थितियों के मध्यनजर उपचुनाव कार्यक्रम को प्रत्याहरित किया गया है। गौरतलब है कि जिले में राजगढ़, चूरू व रतनगढ़ पंचायत समितियों की विभिन्न ग्राम पंचायतों के कुल 10 पंच पदों के लिए 26 मई, 2025 को उपचुनाव करवाए जाने के लिए अधिसूचना जारी की गई थी।

सामुहिक दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर की पुलिस ने सामुहिक दुष्कर्म के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी मदनलाल विश्नोई ने जानकारी देते हुए बताया कि 8 फरवरी को थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया कि मेरी बहिन को जबरदस्ती घर से हरलाल नि. पिथीसर व अन्य उठाकर ले गए और सामुहिक दुष्कर्म किया। जिस पर मामला दर्ज कर अनुसंधान डीएसपी सतपालसिंह की ओर से प्रारम्भ किया गया। उक्त मामले की गम्भिरता एवं महिला अपराध को देखते हुये अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक जय यादव के आदेशानुसार अति0 पुलिस अधीक्षक सतपालसिंह त्वरित अनुसंधान सैल मय थानाधिकारी मदनलाल के नेतृत्व ने घटना की सूचना मिलते ही तुरन्त प्रभाव से अलग अलग टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। आरोपी लम्बे समय से गिरफ्तारी के भय से फरार थे। टीमों की ओर से जगह जगह सीसीटीवी कैमरे देखते हुए छापेमारी करते हुए आरोपी शीशराम 30 पुत्र मालाराम जाट नि0 रायपुरिया पीएस रतननगर, रामनिवास 36 पुत्र मोहनराम मेघवाल नि. रायपुरिया पीएस रतननगर को दस्तयाब कर बाद पुछताछ कर जुर्मधारा 70 (1) बीएनएस प्रमाणित पाये जाने पर गिरफ्तार किया। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने शोक संतप्त परिवार को बंधाया ढाढ़स

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। डिप्टी सीएम दीया कुमारी सोमवार को शहीद सुरेन्द्र कुमार मोगा के पैतृक गावं मेहरादासी पहुंच कर शोक संतप्त परिवार व वीरांगना सीमा को ढाढस बंधाया और शहीद सुरेन्द्र मोगा को श्रद्धांजलि देकर शहादत को नमन किया। इस मौके पर उन्होंने शहीद के परिजनों से कहा दु:ख की घड़ी में सरकार आपके साथ है। श्रद्धांजलि सभा में नवलगढ विधायक विक्रमसिंह जाखल, झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भाम्बू, पूर्व मंत्री डॉ0 राजकुमार शर्मा, चूरू सांसद राहुल कस्वा, सैनिक कल्याण बोर्ड के चेयरमैन प्रेमसिंह बाजौर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष महरिया,जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरि, पूर्व सांसद क्रमश: नरेन्द कुमार, सन्तोष अहलावत,अंगद देव सिंह मंड़ावा, भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढूकिया, सरजीत सिंह चौधरी, महावीर ढ़ाका, पूर्व चेयरमैन राधेश्याम सैनी, पार्षद मो0 इब्राहिम, चन्द्रपाल सिंह पाटोदा सहित सैकड़ों जनप्रतिनिधियों ने शहीद को नमन किया।

महिलाओं के अधिकार संबंधी जागरूकता बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। महिलाओं के अधिकार को लेकर तारानगर के वार्ड 9 में जागरूकता बैठक रखी गयी जिसमें महिलाओं को घरेलू हिंसा व अन्य समसामयिक महिला शौषण के प्रति जागरूक किया गया व उन्हें सुलभ समाधान खोजने के लिए सहायता उपलब्ध करवाने के लिए हेल्प डेस्क व टोल फ्री नंबर 181 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी साथ ही केंद्र व राज्य सरकार कि विभिन्न महिला सशक्तिकरण कि योजनाओं के बारे में पालिका ईओ अजय प्रताप सिंह के निर्देशन में बताया गया। बैठक में फायरमैन नितेश उपाध्याय व सीओ अर्जुनसिंह राजपुरोहित, पुलिस थाना से हैड कॉंस्टेबल हरिदान चारण, सुभाषचन्द्र, मुन्नी कुमारी, सुलोचना, प्रीति वर्मा, कलावती, अभिमन्यु सिंह, शमेष्ठा देवी सहित स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रही।

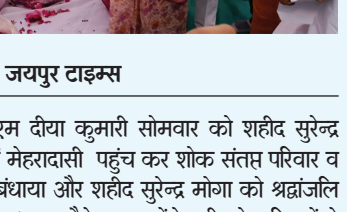

शिक्षकों ने किया घर-घर सर्वे

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सारोठिया के शिक्षकों ने अनामांकित बच्चों से सम्पर्क किया है। शिक्षक पूसाराम स्वामी ने बताया कि स्कूल स्टाफ के सदस्यों ने घर-घर जाकर जनसम्पर्क किया और सर्वे करते हुए अनामांकित बच्चों से सम्पर्क किया। प्रधानाचार्य गोपाल लाल यादव के निर्देशों पर पूसाराम स्वामी, सतपालसिंह मीणा, जीवन दान देवल, राजकुमारी मीणा आदि ने वार्ड न. 6, 1 व 12 में अनामांकित व ड्रॉप आउट बच्चों से सम्पर्क कर मुख्य धारा की शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया। व्याख्याता दामोदर दन्तुसलिया ने बताया कि इस दौरान लोगों को विभागीय योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

फ्लैगशिप योजनाओं का आमजन को मिले भरपूर लाभ, अधिकारी समुचित मॉनीटरिंग कर क्रियान्वित करें : सुराणा

जिला कलक्ट ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में फ्लैगशिप योजनाओं व विभागीय कार्यों में प्रगति की चर्चा कर दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को डीओआईटी वीसी सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक में फ्लैगशिप योजनाओं, विभागीय कार्यों व आवश्यक सेवाओं की चर्चा कर समुचित निर्देश दिए। जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप फ्लैगशिप योजनाओं का आमजन को भरपूर लाभ मिले। विभागीय अधिकारी समुचित मॉनीटरिंग कर क्रियान्वित करें। सरकार की मंशानुरूप अधिकतम लोगों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए विभागीय योजनाओं के बारे में जागरूक करते हुए लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी विभागीय कार्यों का नियमित एनालिसिस करें तथा आमजन को बेहतरीन सेवाओं का लाभ दें। सुराणा ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में जिले की सम्पूर्ण मशीनरी का सहयोग व समन्वय सराहनीय रहा। हम सभी मिलकर विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहें। आपदा प्रबंधन व आपातकालीन परिस्थितियों के लिए भविष्य में भी तैयार रहें, इसके लिए मशीनरी को अपेक्षित प्रशिक्षण दिया जाए। जिले के सभी ब्लॉकों में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के मनोनयन की कार्यवाही करें और ग्राम स्तर तक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि उपखंड अधिकारी एनएफएसए आवेदनों को विकास अधिकारी व नगरनिकाय अधिकारियों के माध्यम से मॉनीटरिंग करते हुए कमेटी से आवेदनों में रिपोर्ट प्राप्त करवाकर पेंडेंसी समाप्त करें। इसी के साथ गिव अप अभियान में अपात्र लोगों के नाम हटवाएं। उचित मूल्य दुकानों पर पेस्टर, बैनर आदि के माध्यम से प्रेरित कर नाम हटवाएं। स्वामित्व योजना अंतर्गत प्रॉपर्टी पार्सल वितरण सुनिश्चित करें। इस बारे में स्पष्टता रखें व अपेक्षित प्रगति लाएं। उन्होंने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान और जलशक्ति अभियान अंतर्गत भूमिगत जलस्तर बढ़ाने के लिए रिचार्ज स्ट्रक्चर के कार्यों की मॉनीटरिंग करें। बंद बोरवेलों को रिचार्ज वेल के रूप में काम में लें तथा प्री-मानसून व पोस्ट- मानसून जल स्तर की जांच करें। मानसून के बाद जल स्तर बढ़ाने के लिए अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। सुराणा ने कहा कि ई-फाइल व ई-डाक पेंडेंसी समाप्त करें। अनावश्यक फाइल ओपन नहीं रखें तथा नियमित डिस्पोजल सुनिश्चित करें। इसी क्रम में संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का निर्धारित समयसीमा में निस्तारण करें। उन्होंने आरडीएसएस योजना में लंबित कार्यों को पूरा करवाने, चूरू 311 एप्प का समुचित प्रचार-प्रसार करने, पीएम आवास योजना में दूसरी व तीसरी किश्त जारी करवाने, बजट घोषणाओं में भू-आवंटन, जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, स्वच्छ भारत मिशन, अमृत योजना, अटल ज्ञान केन्द्र, मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना,पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, पीएम कुसुम योजना आदि सहित विभागीय कार्यों की समीक्षा कर समुचित निर्देश दिए। एडीएम अर्पिता सोनी ने एनएफएसए आवेदनों के निस्तारण के निर्देश दिए। सीईओ श्वेता कोचर ने स्वामित्व योजना में प्रॉपर्टी पार्सल वितरण व ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं को लेकर समुचित निर्देश दिए। इस दौरान कोषाधिकारी प्रवीण सिंघल, पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ मदनलाल गहनोलिया, पीएचईडी प्रोजेक्ट एसई राममूर्ति, सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा, डिस्कॉम एसई आरपी वर्मा, पीएचईडी एसई चुन्नीलाल, डीओआईटी एसीपी नरेश दुहानिया, आईसीडीएस डीडी डॉ नरेन्द्र शेखावत, एसजेईडी डीडी नगेन्द्र सिंह राठौड़, सीपीओ भागचंद खारिया, कॉपरेटिव एमडी मदनलाल, प्रवर्तन निरीक्षक संपत कुमार, जिला मत्स्य अधिकारी लवदीप शर्मा, उद्योग महाप्रबंधक उजाला, रोजगार सहायक निदेशक वर्षा जानू सहित वीसी के जरिए सभी उपखंडों से उपखंड स्तरीय अधिकारी जुड़े रहे।

चरागाह विकास पर हो फोकस, अंचल को बनाएं हरा-भराः सुराणा

चरागाह विकास पर कार्यशाला आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार सोमवार को जिला परिषद सभागार में चरागाह विकास पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि अंचल को हरा-भरा बनाएं। इसके लिए चरागाह विकास पर फोकस करें। अंचल की जलवायु को देखते हुए उपयुक्त प्रजाति की चरागाह भूमि का विकास जैव विविधता को बढ़ावा देगा तथा प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि चरागाह विकास से मवेशियों की संख्या में भी वृद्धि होगी, जिससे पशुपालन आदि गतिविधियों में इसका लाभ मिलेगा। यह जीवन स्तर में काफी बदलाव लाएगा। उन्होंने मानसून के दौरान व मानसून से पूर्व चरागाह विकास हेतु की जाने वाली गतिविधियों को लेकर समुचित निर्देश दिए। डीसीएफ वीरेन्द्र कृष्णिया ने कहा कि चरागाह विकास के लिए यहां की जलवायु के लिए उपयुक्त प्रजातियों व आवश्यक तकनीक का उपयोग करें और सकारात्मक परिणाम सामने आएं। सीईओ श्वेता कोचर ने ग्रामीण विकास से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को कार्यशाला में दिए गए प्रशिक्षण का समुचित उपयोग करते हुए अपेक्षित गतिविधियां संपादित करने की बात कही। विशेषज्ञ डॉ सतीश ने जिले की जलवायु के लिए उपयुक्त प्रजातियों, पेड़-पौधों के विकास, आवश्यक खाद व उर्वरक, तकनीक, बीज बुवाई, पौध तैयार करने, जंगली प्रजातियों का संरक्षण, आंचलिक प्रजातियों का संवर्द्धन व प्रबंधन, रखी जाने वाली सावधानियों आदि के बारे में तकनीकी प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला के दौरान एसीईओ दुर्गा ढाका, एक्सईएन हरिराम माहिच, एक्सईएन राजेश कुमार सहित सभी ब्लॉकों से विकास अधिकारी, जेटीए व कमचारी मौजूद रहे।

जिलेवासी अब चूरू 311 एप्प पर ले सकेंगे जलदाय विभाग से संबंधित सेवाओं का लाभ

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिलेवासियों को विभिन्न सुविधाएं ऑनलाइन मुहैया करवाने के लिए शुरू किए गए चूरू 311 एप्प पर अब आमजन जलदाय विभाग से संबंधित सेवाओं का लाभ भी ले सकेंगे। जिला कलक्टर सुराणा ने जिलेवासियों से गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के लिए चूरू 311 एप्प पर नगरीय सेवाओं, ग्रामीण विकास सहित जलदाय विभाग से संबंधित सेवाओं का लाभ उठाने और अपनी शिकायतें साझा करने की अपील की है। पीएचईडी प्रोजेक्ट एडिशनल चीफ इंजीनियर राममूर्ति ने बताया कि आमजन अब चूरू 311 एप्प पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सम्बंधित सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि चूरू 311 एप्प पर दोषपूर्ण जल बिल को सुधारने के लिए अनुरोध, दोषपूर्ण जल मीटर को बदलने का अनुरोध, अवैध जल कनेक्शन को हटाने का कार्य, पेयजल योजना से जल आपूर्ति नहीं होने की शिकायत, जल पाइप लाइन में लीकेज को दुरुस्त करने का कार्य, नए जल कनेक्शन की मांग, स्वीकृत जल टैंकर की आपूर्ति नहीं होने की शिकायत, पाइप लाइन के लिए खोदे गए गड्ढों को नहीं भरने की समस्या, जीएलआर/एसआरसीडब्ल्यूआर की सफाई संबंधी कार्य, प्रदूषित जल की आपूर्ति की शिकायत, हैंडपंप की मरम्मत संबंधी कार्य, जल परियोजना के क्रियान्वयन से संबंधित कार्य, कम दबाव से पानी की आपूर्ति की शिकायत, निर्धारित समय पर जल आपूर्ति नहीं होने की शिकायत, निर्धारित समय पर जल आपूर्ति नहीं होने की शिकायत आदि कर सकेंगे। उन्होंने आमजन से चूरू 311 एप्प के माध्यम से अपनी समस्याएं पहुंचाने की अपील की है। गौरतलब है कि जिले में शुरू की गई चूरू 311 एप्प पर ग्रामीण विकास व नगरनिकाय से संबंधित सेवाएं दी जा रही हैं।

सैनी समाज संस्था की बैठक में लिए विभिन्न निर्णय

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। स्थानीय सैनी मंदिर में सैनी समाज संस्था की मीटिंग संस्था के अध्यक्ष रामगोपाल चुनवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए अति शीघ्र मंदिर परिसर के ऊपरी हॉल में लाइब्रेरी के लिए कमेटी में एडवोकेट सज्जन सैनी, सतीश राकसिया, प्रमोद भभेवा, सुभाष गोड़,घनश्याम गौड़ को सदस्य बनाया गया। इस मौके पर महत्मा फुले के जीवन पर बनी फिल्म को देखने के लिए सभी वर्गो से अपील की गई। आयोजित बैठक में सैनी समाज कर्मचारी व अधिकारी संगठन के गठन के लिए नोपाराम कटारिया को संयोजक बनाया गया। बैठक में छात्रावास कार्य को गति प्रदान करने, चंदा एकत्रित करने, समाज के भामाशाहों की सूची मंदिर परिसर में लगाने, लक्ष्मणगढ़ का इतिहास लेखन व डाटा संग्रहण सहित अन्य विषयों पर सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए। इस अवसर पर छात्रावास निर्माण समिति अध्यक्ष बनवारी लाल पापटवान, पूर्व अध्यक्ष भगवानदत्त भेरिया, सेवानिवृत्ति तहसीलदार महावीर प्रसाद राकसिया, पूर्व पालिका अध्यक्ष महावीर प्रसाद सिंगोदिया, उपाध्यक्ष विनोद टांक, महामंत्री एडवोकेट सज्जन सतरावला, रामस्वरूप भभेवा, फूलचंद राकसिया, नोपाराम कटारिया, मंत्री सज्जन गौड़, प्रवक्ता सत्यनारायण का पापटवान, घनश्याम गोड, कालूराम गोड,लूणाराम गोड़, आसाराम गोड, एडवोकेट जयप्रकाश राकसिया मौजूद रहे।

शादी में सौंपा 42 हजार का चेक

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। निकटवर्ती गांव कातर छोटी में किशनाराम प्रजापत की बेटियो की शादी में एक सीमेंट कंपनी की की कन्यादान योजना के तहत 42 हजार का चैक प्रदान किया गया। कंपनी के तकनीकी अधिकारी अशोक पुनिया ने बताया कि सामाजिक सरोकार के कार्यो में हमेशा अग्रणी भूमिका हमारी कंपनी निभाती है और ठेकेदार भाइयों के परिवार को अपना परिवार मानते हुए उनकी बेटियों की शादी में कन्यादान योजना के तहत चेक दिया गया है। इस दौरान अनेक लोग मौजूद रहे।

मधुमक्खियों का हमला, फेरी लगाने आए जोगी समाज के 14 बच्चे और 2 महिलाएं घायल

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के मालकसर गांव में सोमवार को मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक जोगी समाज के फेरी लगाने वाले लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में नकुदेसर गांव से फेरी लगाने आए जोगी समाज के 14 बच्चे और 2 महिलाएं घायल हो गए। सभी घायलों को एंबुलेंस के सहयोग से सरदारशहर के राजकीय उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल प्रभारी डॉ. चंद्रभान जांगिड़ के नेतृत्व में चिकित्सा टीम ने तुरंत घायलों का इलाज शुरू किया। वरिष्ठ डॉ संदीप बिजारणिया ने बताया कि मधुमक्खी का डंक जानलेवा हो सकता है। इसलिए तुरंत इलाज आवश्यक है। डॉ चंदन मोठसरा ने बताया कि घायलों में सायरा (60), सपना (30) और बच्चों में आरती (12), आरजू (10), मूमल (8), साहिबा (8), गायत्री (3), सीता (4), कोमल (2), सावित्री (4), लीला (3), अंकित (2), मुकेश (5), सुरेश (7), दयानंद (5) और राकेश (6) शामिल हैं। सरदारशहर उपखंड इलाके में पहले भी मधुमक्खियों के हमले की घटनाएं हुई हैं। इन हमलों में दो महिलाओं की मौत भी हो चुकी है। इस कारण इलाके के किसान भयभीत हैं। डॉक्टरों का कहना है कि मधुमक्खियों से दूरी बनाकर रखना ही सबसे अच्छा उपाय है। गांव में इस घटना के बाद डर का माहौल है। घायलों के परिजन अस्पताल में डॉक्टरों की टीम की ओर से किए जा रहे उपचार के लिए आभार व्यक्त कर रहे हैं।

झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भाम्बू की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्तः हल्की चोटें आईं

जयपुर टाइम्स

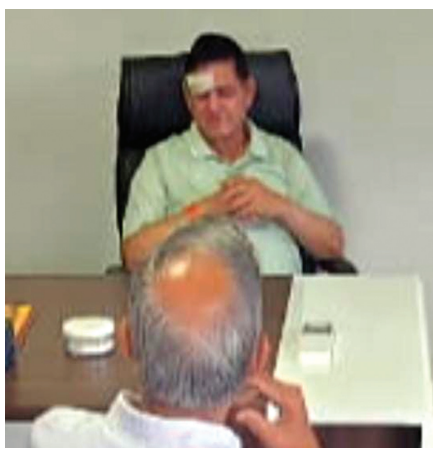

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भाम्बू की गाड़ी सोमवार शाम एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई। विधायक को हल्की चोट आई है। उन्हें तुरंत ही BDK हॉस्पिटल ले जाया गया। अभी विधायक स्वस्थ है। यह हादसा शहर के गोलाई मोड़ के पास हुआ, जब विधायक अपनी निजी कार्य से लौट रहे थे। उसी समय हरियाणा नंबर की एक तेज रफ्तार गाड़ी ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे विधायक को हल्की चोटें आईं। हरियाणा नंबर की गाड़ी अग्रसर सर्कल की ओर से गुढ़ा मोड की दिशा में जा रही थी। गोलाई मोड़ पर अचानक गाड़ी ने मोड़ काटते हुए विधायक की गाड़ी को सीधी टक्कर मार दी। हादसे के समय विधायक भाम्बू गाड़ी में ही मौजूद थे।

विधायक को हल्की चोटें, अस्पताल में प्राथमिक उपचार

इस टक्कर में विधायक भाम्बू को आंखों के पास हल्की चोटें आईं। उन्हें तुरंत झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए ले जाया गया। अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी। फिलहाल विधायक की हालत स्थिर है और वह सुरक्षित हैं। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाली थाना अधिकारी हरजिंदर सिंह ने बताया कि उन्हें हादसे की सूचना मिली थी, जिसके बाद वह तुरंत अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और हादसे में शामिल हरियाणा नंबर की गाड़ी की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल विधायक सुरक्षित हैं।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।